

मशरूम की खेती

कम होती है, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतृप्तकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल

मशरूम उत्पादन

तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरूम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम हैं। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का उत्पादन उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉरिच्युरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पद्धतियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात् पैदा करने के लिए अथवा प्रोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी- 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सबस्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अतः 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पारसुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑयस्टर मशरूम

प्ल्यूरोटस, ऑयस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातियां हैं उदाहरणार्थ - प्ल्यूरोटस ऑस्ट्रीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सेपीडस, पी. फ्लैबिलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अथर्वसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्ल्यूरोटस मशरूमों की प्रोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊंचाई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्टूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊंचाई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्टूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हों। 400 गज के प्रमाण की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए। लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर। उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो) जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे



किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों को फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हों तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकड़ों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढेर को अनपरोधिक किण्वन में परिणमित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सेल्यूलोस, हेमोसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते हैं, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अतः इन सबस्ट्रेट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उत्पत्ति का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूँकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वन्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वृद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्वरूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइथोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरह (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई

सबस्ट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो 100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यकता है। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उत्पत्तमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आत्मारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कर्श से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थपर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले रियालिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती हैं।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंतर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहाँ तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छपर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत-सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहाँ यह संभव नहीं है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छपर की तहो अथवा वरीयत-सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छपर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एवं पश्च भाग के ऊपर एवं

नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत-दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पॉन्ट के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0डू2.5डू2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकड़ों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-टुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ल्लिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नैमि को सील कर दीजिए। उबलते हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबलने के बाद चोकर को पहले से कोटापुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दीजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है। 5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्पान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोड़ी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरान्त सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयातकर खंड पीछे बच जाता है। वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 25.0 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 25.0 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरान्त ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेशा पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेंगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते हैं। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते हैं। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा



परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूँकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओवेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को ड्रिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलिथिन में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरान्त मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरवाह भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुनः-जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम को देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूर कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहाँ क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण-फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां-देखा गया है कि स्कैरिडमक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिडमक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निवाह करते हैं एवं फसल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण - फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिड़कियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कूटकी = ये बहुत पतले एवं रंगेने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते हैं, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते हैं तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण - घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोधा - ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टिरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण - क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनायें रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण - मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकड़ों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्डे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अतः-जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टों बाद कमरे के सामने और पीछेदिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती हैं। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के-क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादकों को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।



BRIEF NEWS

भूमिफियाओं की नामकुम थाने में नो एंट्री, थाने के गेट पर चिपकाया नोटिस

RANCHI : भूमिफियाओं या जमीन दलालों का नामकुम थाने में प्रवेश निषेध कर दिया गया है। इसे लेकर थाना प्रभारी के निर्देश पर थाने के मुख्य प्रवेश द्वार पर नोटिस लगाया गया है, जिसमें लिखा है भू-माफिया एवं जमीन दलालों का थाना परिसर में प्रवेश निषेध है। प्रभारी बोयस मुंडू ने बताया कि राजधानी रांची में आए दिन जमीन विवाद में हो रही अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वरीय अधिकारियों का निर्देश प्राप्त हुआ था, जिसके आलोक में नोटिस लगाया गया है।

आजसू पार्टी की बैठक आज, महाधिवेशन की तैयारियों की होगी समीक्षा

RANCHI : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय जिला, विधानसभा एवं प्रखंड पदाधिकारियों की बैठक 16 सितम्बर को रांची कटहल मोड़, इटकी रोड स्थित आल जेटोवा बैंकवेट हॉल में आयोजित होगी। इस बैठक में 29, 30 सितम्बर और एक अक्टूबर को प्रस्तावित पार्टी के महाधिवेशन की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही प्रस्तावित तिथियों पर मुहर लगेगी। तीन दिवसीय महाधिवेशन का आयोजन रांची स्थित मोराबादी मैदान में होना तय है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देव शरण भगत ने शुक्रवार को हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि यह महाधिवेशन ऐतिहासिक होगा और इस महाधिवेशन के जरिए हम 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों पर बात करेंगे। इस महाधिवेशन के माध्यम से हम राज्य के विभिन्न विषयों पर चिंतन मंथन करेंगे और पार्टी के कार्यकर्ताओं में नए ऊर्जा, उत्साह के साथ आने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करेंगे।

नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया की जमानत पर फैसला 18 को

RANCHI : निलंबित इंजीनियर वीरेंद्र राम के सहयोगी नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया की जमानत पर ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दोनों आरोपितों के जमानत पर ईडी और बचाव पक्ष की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने दोनों आरोपितों की याचिका पर 18 सितम्बर को फैसला की तिथि निर्धारित की है। नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया पर जेल में बंद निलंबित अभियंता प्रमुख बरिन्द्र राम के पैसों के निवेश में सहायता करने का आरोप है। इन्हें ईडी ने दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इनके खिलाफ ईडी आरोप पत्र भी दाखिल कर चुकी है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। नीरज मित्तल ने ओएस से अधिवक्ता प्रितांशु सिंह ने बहस की।

जमीन घोटाले के आरोपी भरत प्रसाद की जमानत याचिका पर सुनवाई 18 को

RANCHI : जमीन घोटाले के आरोपी भरत प्रसाद की जमानत याचिका पर ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में शुक्रवार को सुनवाई हुई। अदालत में भरत प्रसाद के अधिवक्ता ने बहस के लिए समय देने का आग्रह किया गया। इसके बाद अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 18 सितम्बर की तिथि निर्धारित की है। ईडी के विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र और भरत प्रसाद के अधिवक्ता पीडी सिंह ने कोर्ट में बहस की। उल्लेखनीय है कि सेना के कब्जे वाली भूमि और रांची के चेशावर होम रोड स्थित भूमि की फर्जी कागजात के सहारे भूमि की खरीद-बिक्री करने से जुड़े इस मामले में विष्णु अग्रवाल, प्रेम प्रकाश और राजेश राय सहित कई लोग आरोपी हैं।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 32, 33, 34
Ranchi Raopda Tower
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334435776

पांच राज्य एक साथ मिलकर करेंगे नक्सलियों पर ATTACK

संबंधित राज्यों के आला पुलिस अधिकारियों ने बनाई रणनीति

PHOTON NEWS RANCHI :

शुक्रवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में ईस्टर्न रीजनल पुलिस कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक हुई। बैठक में बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों के साथ साथ केंद्रीय एजेंसियों के अफसरों ने भी भाग लिया। बैठक में एक साथ मिलकर और आपसी समन्वय बनाकर नक्सल, ड्रास, साइबर, मानव तस्करी और संगठित अपराधिक गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करने की रणनीति पर मुहर लगाई गई है। ईस्टर्न रीजनल पुलिस कॉर्डिनेशन कमेटी की अगली बैठक कोलकाता में होगी।

नक्सल को लेकर महत्वपूर्ण रही बैठक : ईस्टर्न रीजनल



बैठक करते डीजीपी अजय कुमार सिंह व अन्य पुलिस अधिकारी। • फोटोन न्यूज

पुलिस कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक में नक्सल और ड्रास कारोबार पर नकेल कसने को लेकर रणनीति बनाई गई है। पिछले दो सालों के दौरान झारखंड पुलिस ने नक्सली फ्रंट पर बेहतरीन काम किया है। यह सभी जानते हैं कि झारखंड में बिहार, छत्तीसगढ़, बंगाल और उड़ीसा के दुर्दांत नक्सली नेता अभी भी सक्रिय हैं। वैसे नक्सली कमण्डरों पर नकेल कसने की रणनीति भी मीटिंग में बनी है। झारखंड का बूढ़ा पहाड़ छत्तीसगढ़ से सटा हुआ है जबकि वर्तमान समय में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बने सारंडा के बॉर्डर उड़ीसा से सटे हुए है। ऐसे में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में दोनों राज्यों की भूमिका बेहद अहम है। नक्सल मुद्दे पर पांचो राज्यों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर

अभियान चलाने पर भी सहमति बनी है। ड्रास और दूसरे मादक पदार्थ के तस्करी को रोकने के लिए भी पांचो राज्यों के बीच खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर रणनीति बनाई गई है इसके लिए बाकायदा नोडल अवसर भी तय किए गए हैं। राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में नक्सलियों से मुकाबले के लिए राज्यों के बीच खुफिया सूचना का आदान प्रदान करना, मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने, कुख्यात नक्सलियों और अपराधियों के मुवमेंट की जानकारी साझा करना जैसे विषयों पर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

एजेंडा तय : झारखण्ड पुलिस के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर एम एल मीना ने बताया कि मीटिंग के

एजेंडे में सबसे प्रमुख खुफिया सूचनाओं का आदान प्रदान करना था। बैठक के दौरान सबसे पहले खुफिया सूचनाओं का ही आदान प्रदान किया गया साथ ही इसके निमित्त आगे भी कार्य करने की योजना बनी है। इसके अलावा आतंकी गठविधि में शामिल वांछित, साइबर, संगठित अपराधिक गिरोहों के साथ साथ ड्रास और पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भी रणनीति बनी है। एडीजी एम एल मीना ने बताया कि राज्य पुलिस की सीमाएं तय होती हैं लेकिन अपराधियों और नक्सलियों की कोई सीमा नहीं होती है ऐसे में ईस्टर्न रीजनल पुलिस कॉर्डिनेशन कमेटी की यह बैठक बेहद अहम है ताकि पांचों राज्यों की पुलिस एल दूसरे की मदद कर सके।

जेपी नड्डा का रांची एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI :

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा परिवर्तन यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ जाने से पहले शुक्रवार को रांची पहुंचे। रांची एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश सहित कई नेताओं ने उनका स्वागत किया।

बताया गया कि प्रदेश भाजपा नेताओं से बातचीत करने के बाद जेपी नड्डा एयरपोर्ट से ही हेलीकॉप्टर से छत्तीसगढ़ के



एयरपोर्ट पर जेपी नड्डा का स्वागत करते भाजपाई। • फोटोन न्यूज

जशपुर के लिए रवाना हो गये। रांची एयरपोर्ट लैंडिंग और वहीं से दिल्ली के लिए निकल जाएंगे।

झारखंड में मिले डेंगू के 36 मरीज चिकनगुनिया के भी 12 मरीजों की पुष्टि

PHOTON NEWS RANCHI :

राज्य भर में डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। शुक्रवार को राज्य भर में डेंगू के 333 संदिग्ध मरीज मिले हैं। जांच में 36 में डेंगू की पुष्टि हुई है। वहीं चिकनगुनिया के भी 134 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें 79 मरीजों ने जांच करायी। जिसमें 12 में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई है। सभी मरीज रांची के हैं।

पूर्वी सिंहभूम में सबसे ज्यादा 98 संदिग्ध मरीज मिले : पूर्वी



सिंहभूम में सबसे ज्यादा डेंगू के 98 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें 8 में डेंगू की पुष्टि हुई है। वहीं राजधानी रांची में डेंगू के 37 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें 1 में डेंगू की पुष्टि हुई है। वहीं सरायकेला में डेंगू के 48 संदिग्ध मरीज मिले हैं। जबकि धनबाद में

डेंगू के 8, दुमका में 2, हजारीबाग में 2, कोडरमा में 2, रामगढ़ में 3, साहिबगंज में 6 और पश्चिम सिंहभूम में 4 डेंगू के मरीज मिले हैं।

साहिबगंज में चिकनगुनिया के 28 संदिग्ध मरीज मिले हैं।

आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने प्रेस वार्ता में कहा- डुमरी हम हारे नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं हुए चुनाव : डॉ देवशरण भगत

PHOTON NEWS RANCHI :

आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री को आगह करते हुए कहा कि वर्ष 2024 आते-आते हेमंत जी कहा रहेंगे, वह खुद तय कर लें। अब ज्यादा दिन नहीं है, वह दौड़ लगाते रहें। टेस्ट के लिए बुलाया जा रहा, तो वह टेस्ट देने के बजाए जगह-जगह दौड़ रहे हैं। निश्चित तौर पर उन्हें इन चीजों का सामना करना पड़ेगा और जवाब देना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें कहीं जाना भी पड़ेगा। बाकी लोग जिस तरह से जेल गए, उसी राह पर हेमंत सोरेन भी खड़े हैं। इसलिए वे बच नहीं सकते हैं। डॉ भगत पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रहे थे।

राज्य में अपराधी चला रहे हैं शासन-प्रशासन : भगत ने कहा

कि राज्य में खुलेआम लूट की छूट मिली हुई है। एक लूटो तो सैंडबिडी मिलेगी वाली स्थिति है। पूरा प्रशासन ही अपराधियों के चंगुल में है। अपराधी ही शासन-प्रशासन को चला रहे हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के पूर्व कई महत्वपूर्ण मामलों पार्टी चर्चा करेगी। क्योंकि अभी जिस डुमरी विधानसभा उपचुनाव के बाद आए हैं, चुनाव में जो देखा, आने वाले समय में जो चुनाव होंगे, इसको लेकर पार्टी गंभीरतापूर्वक चिंतन-मनन प्रत्येक विधानसभा वार करेगी। कई बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। पार्टी के महाधिवेशन की तिथि 29-30 सितम्बर है। कल की बैठक के बाद हम तिथि पर अंतिम रूप से मुहर लगाएंगे। यह महाधिवेशन युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों आदि सभी की उम्मीद को पूरा करने वाला होगा। इसको लेकर ललतगुवा बैंकवेट

हॉल में 16 सितम्बर को बैठक होगी। महाधिवेशन रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान जो हालात हैं इस राज्य के, उसके बारे में क्या कहा जाए। डुमरी में लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर चुनाव नहीं हुए। भय, भ्रम और भ्रष्टाचार से लिपट सरकारी प्रशासनिक दुरुपयोग से इस तरह का परिणाम आया है। डुमरी न ही हम हारे हैं और न हार माने हैं। आने वाले दिनों में भी यही स्थिति नहीं रहेगी। हमारे पक्ष में जो प्लॉट तैयार था, उसे बटोर नहीं पाए। इसमें हम पिछड़ गए। सरकारी तंत्रों का दुरुपयोग, कार्यकर्ताओं को प्रताड़ना करना, छाप मरवाना। एक को छूट दूसरे को राहत वाली नीति डुमरी में रही। हमें यह बात समझ में आ गयी कि चाहे कितना भी भय-भ्रम बना लिया जाए, वह अधिक दिनों तक चलने वाला

I.N.D.I.A. गठबंधन सनातन को मिटाने के बयान पर स्टैंड विलयर करे : संजय सेट

PHOTON NEWS RANCHI :

सांसद संजय सेट ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं की ओर से लगातार सनातन पर हमला बोला जा रहा है। सनातनी भावनाओं पर कुतराघात किया जा रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इन नेताओं की ओर से सनातन को मिटाने की बात कही जा रही है। इन्हें सोचना चाहिए कि जो सनातन मुगलों की तलवार से नहीं मिटा। अंग्रेजों के अत्याचार से नहीं मिटा, वह सनातन उनके बोलने पर से मिट जाएगा।

सांसद शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन से जुड़े उन तमाम दलों को अपने-अपने राज्य की जनता के समक्ष सफाई देना चाहिए। मैं झामुमो और कांग्रेस के झारखंड के नेताओं से मांग करता हूँ कि यह जनता के सामने बताएं कि सनातन को मिटाने का जो बयान दिया गया है। उस पर इनका क्या स्टैंड है? इन्हें अपना स्टैंड



प्रेस कांफेस करते सांसद संजय सेट। • फोटोन न्यूज

विलयर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड की आईएनडीआईए गठबंधन वाली सरकार के द्वारा कुछ दिन पहले राजनीतिक पूर्वग्रह से प्रसिप्त होकर धार्मिक न्यास बोर्ड का गठन किया गया। विभिन्न पदों पर उनकी नियुक्तियों की गईं। निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह अच्छा है लेकिन इसके बाद धार्मिक न्यास बोर्ड ने जिस तरह के कदम उठाने शुरू किए, वह सनातनी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने वाला है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से पहाड़ी मंदिर में समिति का गठन किया गया, मेन रोड में संकट मोचन मंदिर में समिति का गठन किया गया, यह असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। इस धार्मिक न्यास बोर्ड ने राजनीतिक आड़ में भारतीय संविधान का भी मजाक उड़ाया है और हमारी महंत परंपरा को भी चुनौती दी है। इन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि मंदिर राजनीति का अखाड़ा नहीं है। मंदिरों में ये राजनीति नहीं करे।

बचपन बचाओ आंदोलन संस्था की जनहित याचिका पर हुई सुनवाई

HIGH COURT ने महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव को उपस्थित होने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड हाईकोर्ट ने बचपन बचाओ आंदोलन संस्था की जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए महिला बाल विकास विभाग के सचिव को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। अदालत ने उन्हें अगली सुनवाई के दौरान उपस्थित होने को कहा है। दरअसल झारखंड के अलग-अलग जिलों में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजे बोर्ड), चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) और राज्य बाल संहिता आयोग में रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर संस्था ने जनहित याचिका दायर की है। पूर्व



की सुनवाई के दौरान अदालत ने जमशेदपुर जिले में जेजे बोर्ड में स्थायी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति का निर्देश दिया था, जिसका अनुपालन नहीं हुआ। इस पर नाराजगी जताते

फरार चल रहे दाहु यादव के पिता पशुपति यादव को HC से मिली बेल

RANCHI : मनी लार्डिंग केस के आरोपी दाहु यादव के पिता पशुपति यादव को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान कर दी है। वह पिछले लगभग छह महीने से न्यायिक हिरासत में हैं। रांची पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लार्डिंग एक्ट) के विशेष कोर्ट ने पशुपति यादव के खिलाफ चार्जशीट (आरोप गठित) कर दिया है।

ईडी ने पशुपति यादव को इसी वर्ष 21 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले झारखंड में 1000 करोड़ रुपये के अवैध खनन घोटाला में फरार चल रहे दाहु यादव के घर की कुर्की-जबती पिछले दिनों की गयी है। ईडी कोर्ट से आदेश जारी होने के बाद रविवार को पुलिस की टीम ने कुर्की-जबती की कार्रवाई की थी।

अवैध खनन मामले में ईडी के गवाह से बचाव पक्ष ने किया सवाल जवाब



PHOTON NEWS RANCHI :

ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में शुक्रवार को अवैध खनन मामले की सुनवाई हुई। ईडी के गवाह का बयान आज खत्म हो गया। ईडी के गवाह विजय हांसदा ने कोर्ट में कहा कि उसने सादे कागज पर हस्ताक्षर किया है। क्योंकि, मुंगेरि यादव और अशोक यादव ने उसे धमकी दी थी और दबाव बनाया था। विजय हांसदा ने आज बचाव पक्ष के द्वारा क्रॉस

एग्जामिनेशन के दौरान यह बयान दिया है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार कोर्ट में उपस्थित थे जबकि पंचक मिश्र की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्र मौजूद थे। प्रेम प्रकाश की तरफ से अधिवक्ता विक्रान्त सिन्हा और स्नेह सिंह मौजूद थीं। उल्लेखनीय है कि अवैध खनन मामले में पंचक मिश्रा, प्रेम प्रकाश, दाहु यादव और उसके पिता पशुपतिनाथ भी आरोपित हैं।

89 सड़कों होगा जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण

तीन अलग-अलग पैकेज के तहत टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में, सबसे पहले इन 4 सड़कों का कार्य



पटना। मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में बिहार शरीफ शहर की सड़कों का जीर्णोद्धार का कार्य शीघ्र प्रारम्भ होने वाला है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर की 89 सड़कों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण हेतु तीन अलग-अलग पैकेज में निविदा की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सड़कों के जीर्णोद्धार के संबंध में निर्णय लिया गया कि

सबसे पहले प्रथमिकता के आधार पर 4 सड़कों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा:-
1) बड़ी पहाड़ी तिराहा से छोटी पहाड़ी होते हुए मोगल कुआं मुख्य सड़क तक पथ
2) नवाब मोड़ से साल्वांज-बाबा मनीराम अखाड़ा होते हुए कटरा नदी मोड़ तक पथ
3) नई सराय मोड़ से रेलवे स्टेशन

होते हुए रेलवे गुमटी तक पथ
4) बिचली खंदक मोड़ से महलपर तिराहा होते हुए सब्जी मंडी तक पथ इन चारों सड़कों से अतिक्रमण हटाने हेतु अंचलाधिकारी द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया जा रहा है। अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ सड़क का जीर्णोद्धार कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा।

बस स्टैंड का निरीक्षण कर इसके जीर्णोद्धार हेतु प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया गया था। इस संबंध में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 2.95 करोड़ का प्राक्कलन तैयार किया गया है। इसके तहत जल निकासी की व्यवस्था हेतु ड्रेनेज निर्माण, परिसर का विकास, नया शौचालय कॉम्प्लेक्स, बचे हुए बाउंड्री का निर्माण, अलग अलग

प्रवेश एवं निकास द्वार, पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी कैमरा आदि से संबंधित कार्य कराए जाएंगे। जिलाधिकारी ने शीघ्र निविदा की प्रक्रिया को पूरा करते हुए कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। नाला निर्माण:- राष्ट्रीय उच्च पथ 21 के पूर्वी किनारे पर बाजार समिति से पंचाने नदी तक नाला निर्माण किया जा रहा है। इसमें एक

जगह जमीन से संबंधित समस्या उत्पन्न हुई है, जिसे अविन्यक्त दूर करने का निर्देश दिया गया है। नगर निगम के चार्ज नं 23 में पूर्व से निर्मित बीएमपीटीसी भवन में सेवा कुटिर संचालन एवं शांति कुटिर को शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए इस भवन में आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य को तेजी से पूरा करने को कहा गया।

बेतिया में डेंगू का प्रकोप



बेतिया। कोरोना के बाद अब डेंगू जिलेवासियों को डराने लगा है। पिछले तीन दिनों में छह मरीज डेंगू के मिले हैं। इनका इलाज गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डेंगू वार्ड में चल रहा है। हालांकि जिले में बढ़ रहे डेंगू बीमारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग पुरी तरह अलर्ट है। बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डेंगू वार्ड में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए छह डेंगू मरीजों का इलाज चल रहा है। वार्ड में मरीजों को बेहतर इलाज मिल रहा है। अस्पताल प्रबंधक मो.शनवाज ने बताया कि डेंगू के बढ़ते मरीजों को देखते हुए

अस्पताल के सभी वार्डों में फॉगिंग कराई गई है। साथ ही अस्पताल भवन के चारों तरफ भी फॉगिंग कराई गई है। फॉगिंग के अलावा पूरे अस्पताल परिसर के साथ-साथ सभी वार्डों में विशेष सफाई कराई जा रही है। इससे अन्य मरीज और उनके साथ रहनेवाले परिजन इस बीमारी से दूर रहें। भवन निर्माण होने के बाद भी सफाई में कोई कोटाही नहीं हो रही है। स्वास्थ्य कर्मचारी ईमानदारी पूर्वक अपना काम कर रहे हैं। विशेष कर डेंगू वार्ड की नियमित सफाई कराई जा रही है। ताकि मच्छर का लार्वा जिंदा नहीं बचे और मरीज स्वास्थ्य होकर घर जाएं।

देशभर में 17 सितंबर को शुरू होगा विश्वकर्मा योजना

मुजफ्फरपुर समेत तीन स्टेशन भी शामिल, शिल्पकारों और कामगाड़ों को मिलेगा प्रशिक्षण और सहायता

मुजफ्फरपुर। पूरे देश में 17 सितंबर को यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विश्वकर्मा योजना को शुरू किया जाएगा। यह योजना केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू की जाएगी। सोनपुर मंडल के मुजफ्फरपुर के साथ गया और पटना स्टेशन पर स्थित कामगाड़ों को प्रोत्साहन राशि व प्रमाण पत्र दिया जा सकता है। फिलहाल सोनपुर रेल मंडल के अधिकारी और पदाधिकारी कार्यक्रम स्थल के चयन की प्रक्रिया में जुटे हैं। अधिक संभावना जतायी जा रही है कि ऐतिहासिक एलएस कॉलेज के ऑडिटोरियम में यह कार्यक्रम आयोजित हो सकती है। जहां से सोनपुर मंडल के डीआरएम विवेक भूषण सूद के साथ-साथ मुजफ्फरपुर में भी पीएम नरेंद्र मोदी को रेलवे के अधिकारियों-पदाधिकारियों के साथ शहर वासी भी सुनेंगे। इसकी पुष्टि सोनपुर रेल मंडल के डीआरएम विवेक भूषण

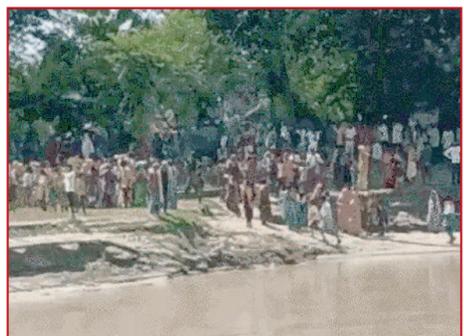


सूद ने की है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर अपने भाषण के दौरान विश्वकर्मा योजना की घोषणा की गई थी। इस योजना के शुभारंभ पर 70 स्थान पर 70 मंत्री मौजूद रहेंगे। विश्वकर्मा योजना में अगले

पांच साल तक 13000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना को विशेष रूप से समाज के निचले स्तर के कामगाड़ों के कल्याण हेतु शुरू किया जा रहा है। शिल्पकारों और कामगाड़ों को इस योजना के तहत प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण लेने वालों को हर महीने 500 रुपए की धनराशि भी दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत 18 तरह के विभिन्न कामों में लगे लोगों को शामिल किया गया है। इस योजना के अंतर्गत बिहार के पारंपरिक कारीगरों व दस्तकारों जैसे बड़ई, दर्जी, टोकरी बुनने वाले, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची आदि मजदूरों को छोटे उद्योग स्थापित करने के लिए 10 हजार से लेकर 10 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। इस योजना का पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा उठाया जाएगा। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 15 हजार से ज्यादा लोगों को काम काज मिल सकेगा। इस योजना के तहत मजदूरों को प्रदान की जाने वाली धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में पहुंचे जाएगी। इसलिए आवेदक का बैंक अकाउंट होना चाहिए और बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक होना चाहिए।

बागमती नदी में 12 जिंदगियां डूबने का मंजर

लोग चिल्लाते रहे-बच्चों को बचा लो, एक-एक करके डूबते गए, 3 शव निकाले गए



मुजफ्फरपुर। बागमती नदी में नाव हादसे का वीडियो सामने आया है। बच्चों को बचाने के लिए लोग चीख रहे हैं। कुछ लोग नदी में कूदते भी हैं। एक नाव बचाने के लिए आती थी है। इस दौरान कुछ बच्चों को बचाते भी हैं, लेकिन घटना के कुछ ही सेकेंड में एक-एक करके 12 जिंदगियां नदी में समा गईं। मधुपट्टी गांव में गुरुवार को 32 लोगों से भरी नाव अचानक पलट गई थी। ग्रामीणों ने 20 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन 12

लोग नदी में डूब गए और तेज बहाव में बह गए। इनमें ज्यादातर बच्चे शामिल थे, जो स्कूल जा रहे थे। इनकी तलाश की लिए एसडीआरएफ की टीम ने 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इधर, घटना के 24 घंटे बाद एक 4 साल की बच्ची का शव मिला है। शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बच्ची की पहचान अजमत के रूप में हुई है। उसका शव सड़क किनारे बगर लक्ष्मी स्थित मिला।

पुलिस ने शव को लिया कब्जे में ले कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, अभी तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। दूसरा शव बलौर इलाके से मिला, जबकि तीसरा शव गौरिहारी घाट से बरामद हुआ है। 9 की तलाश अब भी जारी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए गुरुवार को जिलाधिकारी प्रणव कुमार ने बताया कि अंधेरा होने की वजह से ऑपरेशन फिलहाल रोका गया है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे से फिर

से चलाया जाएगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा भी आज सड़क मार्ग के जरिए घटनास्थल पर पहुंचेंगे। वे वहां पीड़ित परिवारों से जाकर मुलाकात करेंगे। इस घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। जिन घरों के बच्चे या परिजन लापता थे, वो लगातार नदी किनारे टकटकी लगाए खड़े रहे। दूसरे दिन भी लोगों को आस है कि नदी से लोग मिल जाएं। बागमती का बहाव तेज होने की वजह से रेस्क्यू में भी दिक्कत

दो बहनों के दारोगा बनने का टूटा सपना, मौत

मुजफ्फरपुर। नाव हादसे से आसपास के गांवों के लोगों के लिए गुरुवार रात सबसे गमगीन रात रही। न किसी को खाने की फिक्र थी ना ही किसी के गले से पानी की घूंट नीचे नहीं उतर रही थी। सभी लोग एकजुट होकर एक दूसरे का सहारा बनने में लगे थे। गुरुवार को गांव के घरों में चुल्हें नहीं जले। किसी के घर खाना नहीं बना। हर तरफ चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन था। जो भी इस दर्दनाक हादसे के बारे में सुनता, एक बार वहां जरूर पहुंचता था। सभी की आंखें नम हो जाती थीं। कई लोगों की मुंह से बोली तो नहीं निकलती थी, लेकिन उनकी आंखें ही सबकुछ बर्बाद कर रही थीं। गांव की दो चचेरी बहन भी नदी में डूब गईं। 10वीं की छात्रा सुष्मिता और 9वीं में पढ़ने वाली उसकी चचेरी बहन राधा के डूबने के बाद उसके परिजनों में चीख-पुकार मची थी। राधा और सुष्मिता का दारोगा बनने का सपना था। दोनों बहन आपस में काफी घुल-मिलकर रहती थीं। परिजनों का कहना था कि कम संसाधन में भी दोनों बहने पढ़ने में काफी मेधावी



थी। दोनों हमेशा कहा करती थी कि देखना मेरे बदन पर एक ना एक दिन वर्दी जरूर चढ़ेगी। लेकिन, गुरुवार को दोनों नाव हादसे का शिकार हो गयी। इधर, बेटी और भतीजी के डूबने के गम में परिजनों में चीख पुकार मच गई। सुष्मिता की मां भागी भागी नदी किनारे पहुंची। बेटी और भतीजी के नहीं मिलने पर नदी में छलांग लगा दी। उसके छलांग लगाते ही अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोग ने उसे बाहर निकाला। बाद में समझा-बुझाकर उन्हें शांत कराया गया। मुजफ्फरपुर

के गायघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बेनीबाद ओपी के मधुपट्टी गांव के लोगों को स्कूल या बाजार के लिए भटगामा की ओर जाना होता है। सड़क से वहां जाना करीब 8 किमी पड़ता है। इसलिए लोग नाव से भटगामा घाट पर कर उस ओर जाते हैं। उस पार स्थित बलौर हाई स्कूल के लिए स्कूली बच्चे भी समय बचाने के लिए नाव का ही सहारा लेते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यहां नदी पर पुल बनाने की मांग बार-बार की जाती रही है, इसके बावजूद इस पर ध्यान नहीं दिया गया। बताया जा रहा है की

गांव के कई लोग नदी पार राशन लेने के लिए निकले थे। उस इलाके में राशन बटने वाला था। गांव के मो. शमशूल मजदूरी करके अपनी बुजुर्ग मां और तीन छोटे-छोटे बच्चे का गुजारा करता था। गुरुवार को घर में कुछ खाने को नहीं था। राशन बटने की सूचना पर वह घर से झोला लेकर निकला था। जब नाव पलटी तो उसमें शमशूल भी डूब गया। परिजनों में घटना के बाद से चीख-पुकार मची हुई है। एक दिव्यांग बुजुर्ग मां व तीन छोटे-छोटे बच्चों को कौन खाना देगा। मधुपट्टी गांव के करीब 30 लोग सुबह नाव पर सवार होकर भटगामा घाट की ओर रवाना हुए। इनमें पास के बलौर हाईस्कूल में 10वीं का फॉर्म भरने जा रहे छात्र-छात्राएं भी शामिल थे। इसी दौरान रस्सी टूटने से अचानक नाव पलट गई, जिससे कई सवार डूबती नाव के नीचे आ गये। घटना के बाद हुई खोजबीन में पता चला कि नाव पर सवार 12 बच्चे लापता हैं, जिनके डूब जाने की आशंका है। लापता बच्चे और ग्रामीणों में सभी मधुपट्टी गांव के हैं।

नदी में छलांग लगा दी जिसे ग्रामीणों ने बचा लिया। लापता लोगों की सूची में 1 रीतेश कुमार, पिता राम जीवन राय, 2 बेबी कुमारी, पिता जगदीश राय, 3 गणित्ता देवी, पति राम नयल चौपाल, 4 सुष्मिता कुमारी, पिता लक्ष्मी राय उम्र 16 वर्ष, 5 शिवजी चौपाल, पिता ध्यानी

चौपाल, 6 शमशूल, पिता अयूब, 7 सजदा बानो, पिता मो सफी, 8 वसीम, पिता मो इस्माईल, 9 अजमत, पिता मो नौराद, 10 पिंडू सहनी, पिता राजदेव सहनी, 11 मिंटू, पिता राजदेव, 12 कामिनी कुमारी, पिता राजेश राय आदि शामिल है।

दरोगा के बेटे को प्रेमिका सँग रंगरलियाँ मनाना पड़ा भारी मायके वालों सँग पत्नि किया पुलिस के हवाले

(संवाददाता) नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जनपद के बिसरख थाना क्षेत्र में एक इंजिनियर को उसकी पत्नी ने मयको वालों के साथ मिलकर जमकर कूट दिया। आरोप है कि इंजिनियर साहब अपनी प्रेमिका के साथ वहां रंगरलियां मना रहे थे। तभी अपने मायके वालों के साथ पत्नी वहां पहुंच गई। इंजिनियर की इसके बाद अपनी पत्नी से पहले तो कहामुनी हुई। फिर उसके बाद इंजिनियर की ससुराल वालों से जमकर नोकझोंक हुई। इंजिनियर की प्रेमिका और उनकी पत्नी में भी खूब नोकझोंक हुई। जानकारी के मुताबिक, इंजिनियर पति ने पत्नी को ब्लैडर ऑपरेशन के कारण उसको



मायके छोड़ रखा था। इसी बीच उन्हें किसी ने बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र के फ्लैट नम्बर-1103 सुपर टेक इको विलेज-2एनड के टावर बी-9 पर उनका इंजिनियर पति अपनी कथित प्रेमिका के साथ रंगरलियाँ मना रहा है। फिर क्या

था? आक्रोशित पत्नी अपने मायके वालों के साथ कम्परे पर आ धमकी और पति को उसकी प्रेमिका के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद दोनों पति-पत्नी के बीच जमकर विवाद हुआ। महिला के मायके वालों ने अपने जीजा को जमकर

कूट दिया। वहीं, इंजिनियर की प्रेमिका को भी जमकर लताड़ लगाई। बाद में मौके पर ही सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस सभी लोगों को थाने पर लेकर आई जहाँ पुलिस ने पत्नी से तहरीर के आधार पर करवाई करने का अस्वाशन दिया है। फिलहाल इंजिनियर पति व उसका परिवार फरार चल रहा है। वहीं पीड़ित रूचि के पिता ने बताया कि जारचा थाना क्षेत्र चौना नगला एनटीपीसी निवासी दरोगा चरण सिंह के बेटे पुनीत से जो ड्यूटेक टेलिकॉम साइबर सिटी गुरुग्राम में आईटी इंजिनियर के पद पर तैनात है। जिससे डेढ़ साल पहले उनके मन मुताबिक कर्जा पानी करके ढाई करोड़ रुपया खर्च कर

दान दहेज के साथ शादी की थी जिसमें उनकी जरूरत के मुताबिक हर चीज दी थी लेकिन सुसुराल पक्ष चरित्रहीन व दहेज लोभी निकला। जिसका कभी पेट नहीं भरा। वहीं पत्नी रूचि ने रो-रो कर घटनाक्रम जानकारी देते हुए बताया कि वह अपने पति पुनीत के साथ में ओमिक्रोन थर्ड में मिंगसन अल्टीमा सोसाइटी के सन सेवन टावर के फ्लैट नंबर 503में रहती थी। पत्नी के मुताबिक पुनीत किसी कंपनी में इंजीनियर का कार्य करता है। पत्नी रूचि रावत को अपना ऑपरेशन कराना था। जिसके लिए उसने पति पुनीत नागर को बहुत बार बोला लेकिन पुनीत ने उसके लिए मना कर दिया और उसको

प्रताड़ित भी किया और यह कहकर उसको अपने मायके में भेज दिया की तेरे बाप ने दिया ही क्या है जो मैं ऑपरेशन कराऊ। उसके बाद पुनीत ने उसको फोन करने बंद कर दिया और ना ही मायके से घर वापस लेने जा रहा था। जिससे परेशान होकर पत्नी ने यह सारी बातें मायके वालों को बताया। जिसके बाद उसके मायके वालों ने पुनीत से बात करने की कोशिश की लेकिन उसने बातों को चुमा फिरा दिया और लेने के लिए मायके भी नहीं गया। जिससे मायके पक्ष और पत्नी को पुनीत पर शक हुआ। तभी किसी की सूचना पर पीड़िता व उसके मायके वालों ने पति को रंगे हाथ पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

गौतम बुद्ध आईटीआई में आयोजित कैम्पस सलेक्शन में 40 युवाओं को मिली नौकरी



(संवाददाता) कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत गोपालगढ़ चौराहे पर स्थित गौतम बुद्ध आईटीआई में आयोजित कैम्पस सलेक्शन में 40 युवाओं को नौकरी मिली। कालेज परिसर में आयोजित कैम्पस सलेक्शन में माइक्रो मैक्स कम्पनी के अधिकारी सिद्धार्थ पाण्डेय ने निजी आईटीआई कालेज के आईटीआई पास 80 अभ्यर्थियों जिनमें फिटर, टर्नर, टेक्नीशियन, मोटर मैकेनिक, टूल एंड डाई, इलेक्ट्रिशियन, वायर मैन आदि ट्रेड है। का साक्षात्कार लिया। जिनमें 40 अभ्यर्थियों का सलेक्शन विभिन्न ट्रेडों की नौकरियों के लिए किया गया। प्रधानाचार्य रविन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में चल रहे स्किल इंडिया के तहत युवा दक्ष होकर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। प्राद्योगिकी क्षेत्र में आईटीआई पास युवा कभी बेरोजगार नहीं रहेगा और आप परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य बोध का निर्वाह करें और आने वाले बैच के लिए प्रेरणा श्रोत बनें। प्रबन्धक बीके शुक्ला ने चयनित अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

आसपा से अजहर कुरैशी नगराध्यक्ष हापुड़ व बादल कुमार नगरध्यक्ष गढ़मुक्तेश्वर बने



हापुड़। दिल्ली रोड रामलीला मैदान स्थित आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के जिला कार्यालय पर शुक्रवार को जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुशील आजाद की संतुति पर आसपा का कुनबा बढ़ाया गया। इस दौरान अजहर कुरैशी को हापुड़ का नगराध्यक्ष व बादल कुमार को गढ़मुक्तेश्वर का नगराध्यक्ष और बुधप्रकाश को हापुड़ विधानसभा सेक्टर एक का प्रभारी मनोनीत किया गया। वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुशील आजाद ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के मध्यनजर जिले में पार्टी का कुनबा बढ़ाया जा रहा है। जिले के युवा दिन प्रतिदिन आसपा से जुड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आसपा ही एक मात्र पार्टी है जो पूरे देश में दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, शोषितों, वंचितों की लड़ाई लड़ाई लड़ रही है। वहीं आसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद संविधान को बचाने किए देश भर में संविधान बचाओ यात्रा निकालकर देश की जनता को जागरूक करने का सरहनीय कार्य कर रहे हैं। जिसे देख देश में प्रतिदिन हजारों लोग पार्टी से जुड़ने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर मेरठ मण्डल प्रभारी फ्रंटल एडवोकेट दिनेश कुमार, नसीम खान, सुनील लोहे वाले, बेबी भारती, सुरेंद्र लाला, मनोज कर्दम, सोहनवीर, मनोज भारती, रविंद्र कुमार, सलमान त्यागी, डॉ. योगेन्द्र गौतम, रीना वर्मा, आशा सिंह, गोविन्द कश्यप, आदिल खान, मंगत सिंह मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार हुए लोन के नाम पर छप्पन हजार की ठगी का शिकार

(संवाददाता) हापुड़। वरिष्ठ पत्रकार मंथ इन ब्लैस्ट के सम्पादक ने मुजफ्फरनगर के शुभम कर्नाजिया पर आरोप लगाते हुए बताया की ज्योत्सना वर्मा ने शुभम कर्नाजिया के साथ मिलकर मुझे लोन दिलाने के नाम पर छप्पन हजार रुपए ले लिए। मुझे ना ही तो आज तक कोई लोन प्राप्त हुआ और ना ही कोई पैसा वापस किया। लेकिन जब मेने ज्योत्सना वर्मा के बारे में सुना तो पता चला की ये सभी फ्रॉडबाजी करते है साथ मैं उन्होंने यह भी बताया की ज्योत्सना वर्मा और शुभम कर्नाजिया भरे जैसे न जाने कितने भाईयों को अपना शिकार बना चुके है। ज्योत्सना वर्मा के पति मेरे साथ मेरठ कॉलेज मैं पढ़े थे जिस की वजह से मेरी जानकारी ज्योत्सना वर्मा से हुई इन्ही पत्रों पर चलते हुए उनके पति ने उन्हें छोड़ दिया और गलत रास्ता अपना लिया



बेटे ने मां-बाप को कुल्हाड़ी से काट डाला औरैया। एक बेटे ने अपने बुजुर्ग मां-बाप की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। छोटे भाई ने अपने बड़े भाई पर हत्या का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि हत्यारोपी के 2 बेटियाँ हैं, कोई बेटा नहीं था, इसलिए बुजुर्ग पिता ने उसे जमीन में कोई हिस्सा नहीं दिया था। इसी बात को लेकर कई बार विवाद हो चुका था। बीती रात को झोपड़ीनुमा घर में सोते समय बड़े बेटे ने कुल्हाड़ी से माता-पिता के सिर पर वार कर हत्या कर दी। हत्याकांड की वारदात पुरानी दिवियापुरा गाँव की है। सुबह करीब 4 बजे छोटा भाई मौके पर पहुँचा तो माता-पिता के शव तख्त पर लहलुहा हालत में पड़े देखे। पता चला कि बड़ा भाई मौके से फरार है। उसने आनन फानन में पुलिस को सूचना दी। एस्प्री चार निगम समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुँचा।

बुद्ध स्थली कुशीनगर को रेल लाइन से जोड़ना, यात्री सुविधा हमारी प्राथमिकता: अशोक मिश्रा

(संवाददाता) कुशीनगर। रेलवे यात्रियों को हर सुख सुविधा उपलब्ध कराना रेलवे उपयोगकर्ता समिति का उद्देश्य है ताकि रेल यात्रियों को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो और उनको यात्रा सुगम हो। बुद्ध स्थली कुशीनगर को रेल लाइन से जोड़ना व यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराना हमारी कमेटी की प्राथमिकता है। उक्त बातें नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत वृत्ति निवासी व भाजपा के वरिष्ठ नेता व रेल मंत्रालय की पूर्वोत्तर रेलवे की जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य अशोक कुमार मिश्रा ने बुद्ध स्थली स्थित होटल पथिक निवास में कहीं। उन्होंने अपने मनोनयन के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। निर्देशन पर श्री मिश्रा को पूर्वोत्तर श्री मिश्रा ने कहा कि थावें से आने



वाली रेल गाड़ियों के ब्राड गेज होने के कारण जनपद के स्टेशनों पर स्टापेज नहीं है व तमकुहीराज, पडरौना, कप्तानगंज में ठहराव के लिए, 18182 ट्रेन जो थावें से टटा नगर तक जाती है वापसी में दिन में 10 बजे थावें में रोक दिया जाता है, यात्रियों के सुविधा के लिए उसको आगे बढ़ाकर गोरखपुर में रोक जाय। यात्रियों के खान - पान, ट्रेन के

अंदर स्वच्छ शौचालय, कम्बल, चादर, गुणवत्ता युक्त वेडर, स्टेशनों पर रेस्टोरेंट, विश्रामालय एयर कंडिशनस वीआईपी, महिलाओं के प्रसाधन, ऑनलाइन टिकटिंग सहित सभी जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। आगामी 27 सितम्बर को महाप्रबंधक रेलवे गोरखपुर के साथ होने वाली कमेटी की बैठक में बहुत सारे मुद्दों पर बात होगी तथा समस्याओं से डीजीएम जो अवगत कराया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय बुद्ध स्थली कुशीनगर को रेल लाइन से जोड़ने का मुद्दा भी रखा जाएगा। यहाँ रेल यात्रा सुलभ होने से बौद्ध श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी और विकास, रोजगार, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पूर्व में सदस्य राज्य सलाहकार समिति भारतीय खाद्य निगम, भारत सरकार श्री मिश्रा ने बताया कि पूर्वोत्तर रेलवे में

लखनऊ, गोरखपुर, राजनगर तीन मण्डल काठ गोदाम से छत्रा व बरेली से बनारस तक का क्षेत्र है। बताया कि अत्याधुनिक बन रहे हैं गोरखपुर कैंट स्टेशन का मैंने निरीक्षण किया है। लगभग 90 प्रतिशत कार्य हो चुका है। मेरी प्राथमिकता यात्रियों को सुविधा कराना है। गुरुवार की शाम को प्रथम जनपद आमनगर पर कसया नगर में जाह - जगह फूल माला पहनाकर श्री मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में संजय मिश्रा, अजय पांडेय, अखिलेश मिश्रा, विकास पांडेय, अखिलेश मिश्रा, गोलू मद्देशिया, राजू गोंड, रविन्द्र तिवारी, अरविंद गुप्ता, अंकुर दुबे, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा चंद्रप्रभा पांडेय व भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव और अन्य भाजपा के पदाधिकारी शामिल रहे।

स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को याद करें: सहजानंद राय

नगरपालिका परिषद कुशीनगर में मेरी माटी मेरा देश के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम



(संवाददाता) कसया, कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर के सभागार में गुरुवार को मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने मेरा माटी मेरा देश के उद्देश्य को विस्तार पूर्वक चर्चा किया। उसके बाद रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि हमारे

प्रधानमंत्री का उद्देश्य है कि आजादी में अहम योगदान देने वाले लोगों को भी नमन किया जाय। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी इन शहीदों की याद को ताजा करें और आजादी में उनके इतिहास को समझें। जबकि बहुत सरकारी आयी और गयी लेकिन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शहीदों को नमन करने का समय नहीं मिला। लेकिन यह सरकार सभी को इस कार्यक्रम के जरिये



एहसास दिलाने का कार्य कर रही हैं। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि मेरा देश कार्यक्रम के तहत हमारे लोकल स्तर पर आजादी के दौरान अपना सब कुछ अपना न्योछवर करके आजादी दिलाने वाले उन शहीदों की याद हम लोगों के लिए जरूरी है। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष प्रेमचंद मिश्रा, नगरपालिका अध्यक्ष किरन

जायसवाल आदि ने भी संबोधित किया। संचालन अनिल प्रताप राव ने किया। इस दौरान तहसीलदार नरेंद्र राम, अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, ईओ संतोष कुमार, संतोष दत्त राय, जिला पंचायत सदस्य नीतीश यादव, शैलेन्द्र सिंह, प्रभुनाथ सिंह, राजेश जायसवाल, विनय प्रताप राव, अमेरिकन खरवार, श्रवण तिवारी आदि मौजूद रहे।

संस्कार भारती द्वारा इस बार धूमधाम से मनाया जाएगा गणेश पूजा महोत्सव

(संवाददाता) अलीगढ़। संस्कार भारती द्वारा आयोजित श्री गणेश पूजा महोत्सव अबकी बार जयशंकर धर्मशाला अलीगढ़ में श्री गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 19 सितम्बर 2023 दिन मंगलवार को होगा श्री गणेश पूजा महोत्सव का शुभारंभ, सभी तैयारियां पूर्ण संस्कार भारती अलीगढ़ विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री गणेश पूजा महोत्सव को स्थानीय जयशंकर धर्मशाला, निकट हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज, जी टी रोड, अलीगढ़ पर बहुत ही धूमधाम से मनाएगी। यह श्री गणेश पूजा महोत्सव मंगलवार 19 सितम्बर 2023 से प्रारंभ होकर 28 सितंबर 2023 तक चलेगा। संस्कार भारती अलीगढ़ के पदाधिकारियों ने इस गणेश पूजा महोत्सव की विस्तृत जानकारी आगरा रोड स्थित गोल्ड इन लीफ होटल में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष भुवनेश वाणीय आधुनिक एवं श्री गणेश पूजा महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम संयोजक मनोज कुमार पणू खलीफा के अनुसार इस गणेश पूजा

महोत्सव के लिए राजस्थान के कारीगरों द्वारा निर्मित 10 फुट ऊंची भव्य श्री गणेश प्रतिमा मंगवाई जा रही है। श्री गणेश पूजा महोत्सव के संयोजक प्रमुख एवं प्रमुख समाजसेवी अमित शेखर सराफ के अनुसार इस कार्यक्रम की जबरदस्त तैयारियां चल रही हैं। गणेश पूजा पंडाल को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। अयोध्या में शीघ्र ही श्री राम जी का भव्य मंदिर का कार्य पूर्ण होने जा रहा है, भक्तों की भावना को देखते हुए इस वर्ष गणेश पूजा पंडाल में श्री राम मंदिर की थीम नजर आएगी। साथ ही इस गणेश पूजा के कार्यक्रम में भक्ति के साथ-साथ देश भक्ति एवं अपने भारतीय संस्कृति के भी रस बरसाएंगे। संस्कार भारती महानगर अलीगढ़ की महामंत्री रूचि गोटेवाल, व्यवस्थापक विवेक गुप्ता पलक एवम वित्त संयोजक संजय बालाजी के अनुसार 19 सितम्बर 2023 दिन मंगलवार को शाम 6:30 बजे श्री गणेश जी की विशाल मूर्ति का स्थापना के साथ इस कार्यक्रम का रंगारंग शुभारंभ किया जाएगा। सुप्रसिद्ध भजन गायक ओम सागर भक्ति रस बरसाएंगे। साथ ही बुधवार, 20 सितम्बर 2023 को



सांय 7 बजे से रतन वाणीय मित्र के दिशा निर्देशन में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम मां तुझे प्रणाम कार्यक्रम में देशभक्ति की गंगा बहेगी। मुख्य कार्यक्रम प्रभारी अजय लियो, अश्वनी वाणीय और गौरव पीतल के अनुसार गुरुवार 21 सितम्बर 2023 को सांय 7:00 बजे भजनों पर आधारित नृत्य प्रतियोगिता में नन्हे मुने बच्चे अपनी कला का परिचय देने प्रतियोगिता के फार्म आधुनिक

स्टेशनर्स अचल ताल से प्राप्त कर वहीं पर जमा किए जा सकते हैं। 22 सितंबर 2023 दिन शुक्रवार को सांय 7 बजे से मोनाक्षी नामगाल के निर्देशन में संगीतिका संगीत एवम नृत्य कला केंद्र आयोजित रामलीला का मंचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम प्रभारी हरिन्द्र अग्रवाल, विष्णु हरी गुप्ता, नीटू शर्मा के अनुसार शनिवार 23 सितम्बर 2023 को श्रीमती पूनम

संक्षिप्त डायरी दुर्गेश राय बने भाजपा जिलाध्यक्ष, पार्टी जनों ने जताया हर्ष

(संवाददाता) कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने प्रदेश संगठन में जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की है। इसी क्रम में जनपद कुशीनगर से दुर्गेश राय को पार्टी का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पार्टी द्वारा गोरखपुर क्षेत्र की जारी सूची के अनुसार कुशीनगर जिलाध्यक्ष श्री राय के अलावे गोरखपुर महानगर से राजेश गुप्ता, जनपद गोरखपुर से युधिष्ठिर सिंह, संत कबीर नगर से जगदम्बा लाल श्रीवास्तव, बस्ती से विवेकानंद मिश्रा, सिद्धार्थ नगर से कन्हैया पासवान महाराज गंज से संजय पांडेय देवविरा से भूपेंद्र सिंह, आजमगढ़ कृष्णपाल, लालगंज से सूरज श्रीवास्तव, बलिया से संजय यादव जिलाध्यक्ष मनोनीत हुए हैं। श्री राय और गोरखपुर क्षेत्र के नवागत जिलाध्यक्षों को क्षेत्रीय प्रभारी सहजानन्द राय, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुंवर आरपीएन सिंह, सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे, विधायक पीएन पाठक, विधायक सुरेंद्र कुशवाहा, विधायक मोहन वर्मा, विधायक मनीष जायसवाल, विधायक विनय प्रकाश गोंड, विधायक विवेकानंद पाण्डेय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पूर्वोत्तर रेलवे उपयोगकर्ता समिति सदस्य अशोक कुमार मिश्रा, नपाप कुशीनगर अध्यक्ष व प्रतिनिधि मण्डल किरन राकेश जायसवाल, पूर्व नप अध्यक्ष कृष्ण कुमार, अध्यक्ष कसया अनिल प्रताप राव, रामायण कुशवाहा, टीएन राव, ओमप्रकाश जायसवाल, ओमप्रकाश वर्मा, सतीश शर्मा, गोपाल जी राय सहित भाजपाईयों ने हर्ष व्यक्त किया।



पुनः नोएडा जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर शहरी मोर्चा ने दी मनोज गुप्ता को बधाई

(संवाददाता) नोएडा। एक बार फिर से सारे कयासों को झुलटाने हुए भारतीय जनता पार्टी ने नोएडा महानगर का जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता को दोसरा मनोनीत कर दिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी शहरी विकास मोर्चा नोएडा महानगर के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने मनोज गुप्ता को पेटका पहनाकर व पुष्पगुच्छ देकर बधाई व शुभकामनाएं दी। भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष बनने पर मनोज गुप्ता ने सभी को धन्यवाद किया। वह भाजपा के कार्यकर्ताओं को 2024 में प्रधानमंत्री मोदी को फिर से जिताने के लिए कसर कसने के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा शहरी विकास मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ प्रसन्नजीत मैत्रा, भाजपा नोएडा महानगर के पदाधिकारी जिला सह कोषाध्यक्ष सत्य नारायण महावर, अरुण शर्मा, मनोज भारद्वाज, अमित नागपाल, संतोष खंडूड़ी, निखिल पंडित, मनीष चौहान, विकास शर्मा, संजय बैसला परमिंदर राघव, भाजपा कार्यकर्ता साथ रहे।



(संवाददाता) बुलंदशहर। शिकारपुर नवागत क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह, ने कड़े तवरों के साथ संभाला अपना पदभार शिकारपुर के नवागत क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह, ने पदभार संभालते ही अपराधियों को दी कड़ी चेतावनी कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को नहीं दी जाएगी शह मेरे कार्यकाल के दौरान कृपया कर मेरे क्षेत्र में कोई भी गलत काम ना करें अगर कोई गलत काम करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी वही पुलिस कर्मियों के साथ बातचीत के दौरान नवागत क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह, ने सभी पुलिस कर्मियों को भी कड़ी चेतावनी के साथ दिया सदेश अवैध कार्य में लिप्त पुलिस कर्मों के खिलाफ भी की जाएगी कार्यवाही इसलिए मुझे शिकायत का कोई भी पुलिस कर्मों मौका ना दें अन्यथा अवैध कारोबार चला रहे कारोबारी के साथ-साथ कारोबार में लिप्त पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी की जाएगी कार्यवाही जिस पर शिकारपुर क्षेत्र में तैनात सभी पुलिस कर्मियों ने पूर्ण इमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें।

नवागत सीओ ने कार्यभार संभालते ही अपराधियों को दी कड़ी चेतावनी सीओ दिलीप सिंह



(संवाददाता) बुलंदशहर। शिकारपुर नवागत क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह, ने कड़े तवरों के साथ संभाला अपना पदभार शिकारपुर के नवागत क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह, ने पदभार संभालते ही अपराधियों को दी कड़ी चेतावनी कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को नहीं दी जाएगी शह मेरे कार्यकाल के दौरान कृपया कर मेरे क्षेत्र में कोई भी गलत काम ना करें अगर कोई गलत काम करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी वही पुलिस कर्मियों के साथ बातचीत के दौरान नवागत क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह, ने सभी पुलिस कर्मियों को भी कड़ी चेतावनी के साथ दिया सदेश अवैध कार्य में लिप्त पुलिस कर्मों के खिलाफ भी की जाएगी कार्यवाही इसलिए मुझे शिकायत का कोई भी पुलिस कर्मों मौका ना दें अन्यथा अवैध कारोबार चला रहे कारोबारी के साथ-साथ कारोबार में लिप्त पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी की जाएगी कार्यवाही जिस पर शिकारपुर क्षेत्र में तैनात सभी पुलिस कर्मियों ने पूर्ण इमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें।

रूस में फंसे पैसे से रूसी कच्चा तेल खरीदने विकल्प तलाश रही हैं भारतीय कंपनियां

- भारत की कच्चे तेल की कुल खरीद में 33 प्रतिशत से अधिक है रूस की हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख चार पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक इकाई, ऑयल इंडिया लिमिटेड और ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) रूसी तेल और गैस क्षेत्रों में अपने निवेश से अर्जित लाभांश आय को नहीं ला सकी हैं। वह पैसा रूस में उनके बैंक खातों में पड़ा हुआ है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए सख्त प्रतिबंधों के कारण इस राशि को भारत नहीं लाया जा सका है। भारत के लिए रूस इस समय कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप

में उभरा है। भारत की कच्चे तेल की कुल खरीद में रूस की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत से अधिक है। अधिकारियों ने कहा कि एक विकल्प यह है कि रूसी बैंकों के खातों में पड़े पैसे को कच्चा तेल खरीदने वाली कंपनियों को ऋण के रूप में दिया जा सकता है। ये इकाइयां भारत में ऋण चुका सकती हैं। रूस से कच्चा तेल खरीदने वाली कंपनियों में आईओसी और बीपीसीएल भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि हम इस कदम को लेकर कानूनी और वित्तीय प्रावधान देख रहे हैं। हम प्रतिबंधों के प्रति सचेत हैं और ऐसा कुछ



भी नहीं करना चाहते जिससे किसी भी तरह के उल्लंघन का मामला बनता हो। भारत की सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में चार अलग-अलग संपत्तियों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया है। इनमें वेंकोरनेफ्ट तेल और गैस क्षेत्र में 49.9 प्रतिशत हिस्सेदारी और टीएएस-यूयांख नेफ्टोगाजोडोबाइचा क्षेत्रों में 29.9 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। उन्हें इन क्षेत्रों को परिचालन करने वाले गठजोड़ को तेल और गैस की बिक्री से हुए मुनाफे में हिस्सा मिलता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड ऑयल 94.17 डॉलर प्रति बैरल



नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी का सिलसिला जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के दाम में 0.63 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 90.73 डॉलर पर है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में 0.50 फीसदी की बढ़त दर्ज की जा रही है और यह 94.17 डॉलर प्रति बैरल पर है। पेट्रोल-डीजल की कीमत रेट वैश्विक कच्चे तेल की कीमत के आधार पर तय की जाती है। वहीं शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल

92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपये और डीजल 93.90 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर है और अजमेर में पेट्रोल 108.07 रुपये, डीजल 93.35 रुपये प्रति लीटर है।

चीन के आर्थिक आंकड़ों से मंदी कम होने के संकेत मिले

बीजिंग ।

सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में संकेत मिले हैं कि अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे वैश्विक महामारी के बाद की स्थिति से उबर सकती है। हालांकि रेस्तरां तथा दुकानों में व्यस्त गतिविधि के बावजूद आंकड़ों में सभी महत्वपूर्ण संपत्ति क्षेत्र में लगातार कमजोरी दिखी। रियल एस्टेट डेवलपर्स सुस्त मांग के कारण कर्ज चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रियल एस्टेट निवेश में अगस्त

में सालाना आधार 8.8 प्रतिशत की गिरावट आई। साल की शुरुआत से ही गिरावट लगातार बढ़ती जा रही है। बैंकों पर बोझ कम करने के लिए पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने कहा कि अधिकतर उधारदाताओं के लिए 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की जाएगी। केंद्रीय बैंक के अनुसार आर्थिक सुधार की नींव को मजबूत करने और उचित तथा पर्याप्त तरलता बनाए रखने के लिए इससे उधार देने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। रिपोर्ट के

अनुसार अगस्त में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़ी, ऑटो बिक्री 5.1 प्रतिशत बढ़ी। जुलाई में खुदरा बिक्री में मामूली 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। औद्योगिक उत्पादन 4.5 प्रतिशत वार्षिक गति से बढ़ा, अप्रैल के बाद सबसे औद्योगिक उत्पादन सबसे तेजी से बढ़ा है। जुलाई में 3.7 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था। एक रिपोर्ट में

कहा कि अगस्त में रुझान उम्मीद से कुछ बेहतर रहे। चीन की अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून तिमाही में पिछली तिमाही की तुलना में 0.8 प्रतिशत बढ़ी।



एलआईसी ने सरकार को 1,831 करोड़ का लाभांश चेक सौंपा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 1,831.09 करोड़ रुपए का लाभांश चेक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा। बीमा कंपनी ने बयान में कहा कि एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने वित्तीय सेवा विभाग के अतिरिक्त सचिव एमपी तगिरला की मौजूदगी में सरकार की कंपनी में हिस्सेदारी के पत्र में लाभांश चेक लिया। शेरधारकों की 22 अगस्त को सालाना बैठक में लाभांश को मंजूरी दी गयी थी। एलआईसी ने अपने गठन के 67 साल पूरे कर लिए हैं। कंपनी ने 1956 में पांच करोड़ रुपए की शुरुआती पूंजी के साथ शुरुआत की थी। 31 मार्च, 2023 की



स्थिति के अनुसार एलआईसी के पास 40.81 लाख करोड़ रुपए की जीवन

निधि के साथ 45.50 लाख करोड़ रुपए का परिसंपत्ति आधार है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 11 पैसे करीब 0.18 फीसदी नीचे आकर 83.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के बीच सकारात्मक घरेलू बाजार का लाभ रुपए को मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़ा जारी होने के बाद डॉलर मजबूत हुआ। आंकड़ा उम्मीद से अधिक बताया गया है और घरेलू इकाई पर इसका असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.02 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 83.07 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। गुरुवार को रुपया 83.03 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 105.28 पर आ गया।



फुल चार्ज में पूरे 700 किमी दौड़ती है चीन की ये कार

-एसयूवी में खुद की विकसित की गई ब्लेड बैटरी का इस्तेमाल

नई दिल्ली ।

चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता बीवायडी ने हाल ही में टंग इलेक्ट्रिक एसयूवी का खुलासा किया है जिसने रेंज की चिंता ही खत्म कर दी है। यह भी कहा जाने लगा है कि अगर ये कार भारत आ गई तो इलेक्ट्रिक कारों में टाटा मोटर्स की बादशाहत को खत्म कर सकती है। यहां हम आपको बता रहे हैं बीवायडी टंग के सभी फीचर्स और स्पेसिफिकेशन के बारे में। बीवायडी अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी में खुद की विकसित की गई ब्लेड बैटरी का इस्तेमाल करती है। भारत में बिकने वाली अटूट 3 इलेक्ट्रिक एसयूवी में भी कंपनी इसी बैटरी का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी टंग में हाई डेंसिटी लिथियम आयन रफाइट बैटरी का इस्तेमाल कर रही है जो इसे फुल चार्ज में 700 किलोमीटर तक की रेंज देता है। यह बैटरी 110 केडब्ल्यू तक की चार्जिंग को सपोर्ट करता है जिसकी मदद से इसे केवल 30 मिनट में 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। बीवायडी टंग को पॉवरफुल बनाने के लिए कंपनी ने इसमें 2 इलेक्ट्रिक मोटर लगाए हैं जो इसे कुल मिलाकर 516 बीएचपी की पॉवर और 680 एनएम का टॉर्क देते हैं। अपने पॉवरफुल इलेक्ट्रिक मोटर के वजह से यह केवल 4.6 सेकंड में 0 से 100 केएमपीएच की रफतार पकड़ सकता है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी इसके 214 बीएचपी मॉडल को भारत में लॉन्च कर सकती है। यह मॉडल 565 किलोमीटर की रेंज ऑफर करता है। अगर भारत में बीवायडी टंग लॉन्च होगी तो इसे 7-सीटर एमपीवी वर्जन में लाया जाएगा। अगर फीचर्स की बात करें तो इसमें ऑल एलडीएल लाइटिंग के साथ, 12.3-इंच डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर, 12.8 इंच रोटेटिंग टचस्क्रीन, 31 कलर एम्बेड्ड लाइटिंग, वायरलेस चार्जिंग, टू-जोन वलाइमेट कंट्रोल, 8 स्पीकर ऑडियो, हीटिंग और कूलिंग सीट्स और 8 एयरबैग्स जैसे फीचर्स मिलेंगे। कंपनी इसमें अडवांस फॉरवर्ड सूट भी देने वाली है जिसमें लेन कीप असिस्ट और फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग समेत कई फीचर्स होंगे।



अगस्त में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 22.8 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अगस्त में सालाना आधार पर 22.81 प्रतिशत बढ़कर 1.24 करोड़ पर पहुंच चुकी है। पिछले साल अगस्त में आंकड़ा 1.01 करोड़ यात्रियों का था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसकी जानकारी दी। डीजीसीए ने कहा कि अगस्त में सर्वाधिक 78.67 लाख यात्रियों ने किफायती एयरलाइन इंडगो से यात्रा की, जो कुल घरेलू यात्रियों का 63.3 प्रतिशत है। अगस्त में एयर इंडिया से 12.12 लाख और उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुभूषी कंपनी एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) से 9.78 लाख यात्रियों ने यात्रा की। एयर इंडिया का अधिग्रहण अब टाटा समूह ने कर लिया है। टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस में 51-49 अनुपात की हिस्सेदारी वाले संयुक्त उपक्रम विस्तार से अगस्त में 12.17 लाख लोगों ने यात्रा की, जो कुल यात्रियों का 9.8 प्रतिशत है। विस्तार के एयर इंडिया में विलय को लेकर बातचीत चल रही है। तीन एयरलाइन कंपनियों- एयर इंडिया, विस्तार और एयरएशिया इंडिया से संयुक्त रूप से अगस्त में 33.07 लाख लोगों ने घरेलू यात्रा की। सभी घरेलू एयरलाइंस में क्षमता इस्तेमाल में 91.3 प्रतिशत के साथ विस्तार सबसे आगे रही।

भारत ने विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स सूचकांक को लेकर जताई आपत्ति

मुंबई । भारत कहता है कि विश्व बैंक लॉजिस्टिक्स के बारे में कोई भी फैसला लेते समय सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर उठाए गए कदमों जैसे गतिशील पहल को संज्ञान में लेना चाहिए। भारत का कहना है कि विभिन्न देशों के व्यापार सुगमता का आकलन करने वाला विश्व बैंक-लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स का द्विआर्षिक सूचकांक धारणा पर आधारित और संकीर्ण है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग में विशेष सचिव सुमिता ने कहा कि इसे देखते हुए भारत चाहता है कि विश्व बैंक लॉजिस्टिक्स बारे में निर्णय लेते समय सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर उठाए गए कदमों जैसे गतिशील पहल को संज्ञान में ले। इस साल की शुरुआत में लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई-2023) में 139 देशों में भारत 6 स्थान ऊपर उठकर 38वें स्थान पर आ गया था। इस सिलसिले में भारत ने विश्व बैंक के प्रमुख अधिकारियों से बातचीत शुरू की है, जिससे उनका ध्यान उद्देश्य पर आधारित रैंकिंग के तरीकों की ओर आकर्षित किया जा सके। इस समय देशों के प्रदर्शन के आकलन के लिए 6 मानदंडों- सीमा शुल्क, बुनियादी ढांचे, इंटरनेशनल शिपमेंट, लॉजिस्टिक्स क्षमता, ट्रेडिंग और ट्रेडिंग व समयबद्धता पर ध्यान दिया जाता है। हमारा मानना है कि एक महत्वपूर्ण वैश्विक सूचकांक में भारत की रैंकिंग बहुत संकुचित तरीके से की जाती है, यहां बहुत काम चल रहा है और गणना में वह नजर आना चाहिए। रैंकिंग तभी सुधार सकती है जब वास्तविक और तथ्यात्मक सुधार इसमें नजर आए।

यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने ब्याज दर 0.25 प्रतिशत बढ़ाई

फ्रैंकफर्ट । यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने अत्यधिक उच्च मुद्रास्फीति के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करते हुए प्रमुख ब्याज दर को बढ़ाकर रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा दिया। यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जबकि आशंका जताई जा रही है कि कर्ज की ऊंची लागत से अर्थव्यवस्था मंदी की गिरफ्त में जा सकती है। ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि ऐसे समय की गई है जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व सहित दुनियाभर के केंद्रीय बैंक यह आकलन करने की कोशिश कर रहे हैं कि मुद्रास्फीति-रोधी दवा फिनोटी दी जा सकती है और कब दरों में वृद्धि को रोक जा सकता है।



त्योहारी मौसम में 90 हजार करोड़ तक पहुंच सकती है ऑनलाइन बिक्री

नई दिल्ली । आने वाले त्योहारी सीजन के दौरान ऑनलाइन बिक्री सालाना आधार पर 18-20 प्रतिशत बढ़कर इसके 90,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। एक मार्केट रिसर्च फर्म के अनुसार आगामी त्योहारी सीजन संभावित रूप से मार्जिन के मामले में अब तक का सबसे सफल सीजन हो सकता है। फर्म ने कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत इंटरलिंग के 2023 त्योहारी महिने का जीएएमवी (सकल व्यापारिक मूल्य) करीब 90,000 करोड़ रुपए रहेगा जो पिछले साल के त्योहारी महिने की बिक्री से 18-20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अनुसार ऑनलाइन खरीदारी करने वाले करीब 14 करोड़ लोगों के इस त्योहारी महिने के दौरान कम से कम एक बार ऑनलाइन खरीदारी करने की उम्मीद है। ऑनलाइन खरीदारों की संख्या में वृद्धि तथा तीन साल की चुनौतीपूर्ण अवधि के बाद अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने से इस साल त्योहारी मौसम में ई-कॉमर्स बिक्री के बढ़ने की उम्मीद है। बयान के अनुसार 2014 में पूरे वर्ष ई-कॉमर्स का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएएमवी) उद्योग 27,000 करोड़ रुपए था और 2023 में इसके करीब 5.25 लाख करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है।

भारत ने 76 फीसदी तक घटाया चीन से सोलर मॉड्यूल का आयात

नई दिल्ली ।

भारत ने वैश्विक रुख से हटकर 2023 की पहली छमाही के दौरान चीन से सौर मॉड्यूल आयात में 76 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है जो सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के दृढ़ बदलाव को दर्शाता है। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल-दर-साल, चीन से भारत का सौर मॉड्यूल आयात 2022 की पहली छमाही में 9.8 गीगावॉट से घटकर 2023 में इसी अवधि के दौरान केवल 2.3 गीगावॉट रह गया। टैरिफ लगाने के साथ यह रणनीतिक बदलाव, आयात पर निर्भरता को कम करने और अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता के विकास को प्राथमिकता देने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प को

रेखांकित करता है। एम्बर में इंडिया इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी एनालिसिस नैशनल रॉइड्स ने कहा कि सोलर मॉड्यूल आयात के लिए चीन पर भारत की निर्भरता 2022 के बाद संतोषजनक है और यह वास्तव में कम हो रही है। नीतिगत हस्तक्षेपों की मदद से घरेलू विनिर्माण गति पकड़ रहा है। चूंकि भारत सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के करीब है, इसलिए चीनी मॉड्यूल और सेल पर निर्भरता अब कोई बाधा नहीं है। अब महत्वपूर्ण यह है कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक सक्षम नीतिगत वातावरण बनाया जाए कि सौर प्रतिष्ठान राष्ट्रीय विद्युत योजना के साथ तालमेल बनाए रखें। भारत ने आयात में कटौती और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 2022 से सौर मॉड्यूल पर



40 प्रतिशत और सौर सेल पर 25 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगाया शुरू कर दिया था। आयात निर्भरता को कम करने और एक मजबूत घरेलू सौर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करने के लिए देश की प्रतिबद्धता थिंथर और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के देश के व्यापक लक्ष्यों का उदाहरण है। ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस

तक सीमित करने की राष्ट्रीय योजना के अपने अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के अनुसार भारत ने 2030 तक नैट-जीवाश्म ईंधन आधारित संसाधनों से 500 गीगावॉट स्थापित बिजली क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध किया है। सौर इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के केंद्र में है।

टेस्ला भारत से अरब डॉलर के ऑटोमोबाइल पाटर्स खरीदेगी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख टेस्ला इंक ने इस साल भारत से 1.9 अरब डॉलर तक के ऑटोमोबाइल पाटर्स खरीदने की योजना बनाई है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के सालाना सम्मेलन को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि पिछले साल टेस्ला द्वारा भारत से आयात किए गए 1 बिलियन डॉलर के ऑटो पाटर्स की तुलना में आयात लगभग दोगुना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल टेस्ला ने पहले ही भारत से 1 अरब डॉलर के कंपोनेंट खरीदे थे और इस साल उनका लक्ष्य 1.7-1.9 अरब डॉलर का है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें विरे वास है कि इलेक्ट्रिक वाहन ही भविष्य है, जिन्हें हमें आकर्षित करने का प्रयास करना चाहिए। गोयल का बयान उन रिपोर्टों के दो महीने बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि एलन मस्क की अगुवाई वाली कंपनी ने मोदी सरकार के साथ बातचीत की है और अपने ऑटो पाटर्स व इलेक्ट्रॉनिक्स श्रृंखला को भारत में लाने की संभावना तलाश रही है।



स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं...

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुआं के डियोडरेंट्स विकते हैं। ऐसे खुशबुआं डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शारी व्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंट्स सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्युमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुकसान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंट्स त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया

बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।

- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखें लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्युमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्युमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक है। डियोडरेंट अगर अल्युमीनियम क्लोरोहाइड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित है। प्रोपेन, ब्यूटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

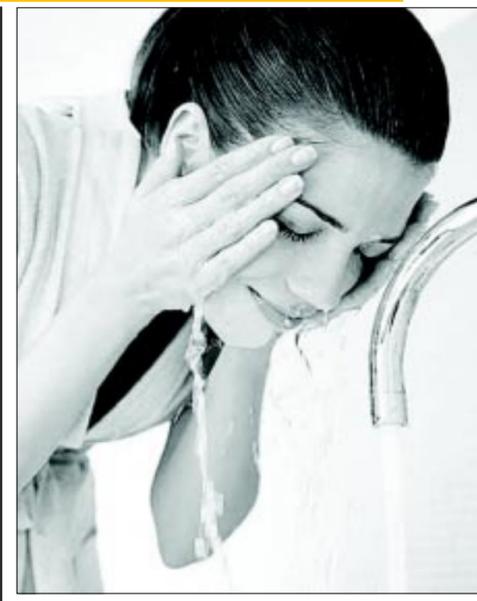
बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।

इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।

बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्युमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक है। डियोडरेंट अगर अल्युमीनियम क्लोरोहाइड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित है। प्रोपेन, ब्यूटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।

भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस ताकि त्वचा रहे स्वस्थ



सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तिव निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अतः हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पेर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशतः सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जाता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मेल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तक्रिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता है। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्रचराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड्रियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड्रियां कटी फटी हों तो फौरन उरचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरूक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो आर्थराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप डिस्क किसी भारी चीज को उठाने समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमेटोइड आर्थराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएँ- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटी गलिकनस का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएँ तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए वे फूड्स खाएँ जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियाँ, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रेच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं

होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटिया कम करें- अत्यधिक वजन कम करने में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्न होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएँ।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठें रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएँ तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खसम मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएँगे।



टाईम पास

आज का राशिफल

मेष कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा गेगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभार्क-5-6-8

वृष यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रयत्न में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभार्क-6-7-8

मिथुन शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभार्क-2-6-9

का की कू घ ड छ के को हा मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। आतृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभार्क-6-7-9

सिंह कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माला पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभार्क-4-6-7

मा मी जू ने मो रा टी ठ डे अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभार्क-4-6-8

कुम्भ कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रयत्न में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सलता से संभ्रं हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभार्क-1-5-7

धनु धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियां होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभार्क-2-6-8

धनु धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियां होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभार्क-2-6-8

काकुरो पहेली - 2947

9	3	24		8	30	11		4	10	3
			16				6			
	24				8		24			
				14		13				
	11		10		17			3		4
4		9						4		
6			10				11			
	7					17				
		3				16				
							16			

खाली घाँ में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएँ से बाएँ की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खाने चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

काकुरो - 2946 का हल

9	1	2	3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
30	31	32	33	34	35	36	37	38	39
40	41	42	43	44	45	46	47	48	49
50	51	52	53	54	55	56	57	58	59
60	61	62	63	64	65	66	67	68	69
70	71	72	73	74	75	76	77	78	79
80	81	82	83	84	85	86	87	88	89
90	91	92	93	94	95	96	97	98	99
100	101	102	103	104	105	106	107	108	109
110	111	112	113	114	115	116	117	118	119
120	121	122	123	124	125	126	127	128	129
130	131	132	133	134	135	136	137	138	139
140	141	142	143	144	145	146	147	148	149
150	151	152	153	154	155	156	157	158	159
160	161	162	163	164	165	166	167	168	169
170	171	172	173	174	175	176	177	178	179
180	181	182	183	184	185	186	187	188	189
190	191	192	193	194	195	196	197	198	199
200	201	202	203	204	205	206	207	208	209
210	211	212	213	214	215	216	217	218	219
220	221	222	223	224	225	226	227	228	229
230	231	232	233	234	235	236	237	238	239
240	241	242	243	244	245	246	247	248	249
250	251	252	253	254	255	256	257	258	259
260	261	262	263	264	265	266	267	268	269
270	271	272	273	274	275	276	277	278	279
280	281	282	283	284	285	286	287	288	289
290	291	292	293	294	295	296	297	298	299
300	301	302	303	304	305	306	307	308	309
310	311	312	313	314	315	316	317	318	319
320	321	322	323	324	325	326	327	328	329
330	331	332	333	334	335	336	337	338	339
340	341	342	343	344	345	346	347	348	349
350	351	352	353	354	355	356	357	358	359
360	361	362	363	364	365	366	367	368	369
370	371	372	373	374	375	376	377	378	379
380	381	382	383	384	385	386	387	388	389
390	391	392	393	394	395	396	397	398	399
400	401	402	403	404	405	406	407	408	409
410	411	412	413	414	415	416	417	418	419
420	421	422	423	424	425	426	427	428	429
430	431	432	433	434	435	436	437	438	439
440	441	442	443	444	445	446	447	448	449
450	451	452	453	454	455	456	457	458	459
460	461	462	463	464	465	466	467	468	469
470	471	472	473	474	475	476	477	478	479
480	481	482	483	484	485	486	487	488	489
490	491	492	493	494	495	496	497	498	499
500	501	502	503	504	505	506	507	508	509
510	511	512	513	514	515	516	517	518	519
520	521	522	523	524	525	526	527	528	529
530	531	532	533	534	535	536	537	538	539
540	541	542	543	544	545	546	547	548	549
550	551	552	553	554	555	556	557	558	559
560	561	562	563	564	565	566	567	568	569
570	571	572	573	574	575	576	577	578	579
580	581	582	583	584	585	586	587	588	589
590	591	592	593	594	595	596	597	598	599
600	601	602	603	604	605	606	607	608	609
610	611	612	613	614	615	616	617	618	619
620	621	622	623	624	625	626	627	628	629
630	631	632	633	634	635	636	637	638	639
640	641	642	643	644	645	646	647	648	649
650	651	652	653	654	655	656	657	658	659
660	661	662	663	664	665	666	667	668	669
670	671	672	673	674	675	676	677	678	679
680	681	682	683	684	685	686	687	688	689
690	691	692	693	694	695	696	697	698	699
700	701	702	703	704	705	706	707	708	709
710	711	712	713	714	715	716	717	718	719
720	721	722	723	724	725	726	727	728	729
730	731	732	733	734	735	736	737	738	739
740	741	742	743	744	745	746	747	748	749
750	751	752	753	754	755	756	757	758	759
760	761	762	763	764	765	766	767	768	769
770	771	772	773	774	775	776	777	778	779
780	781	782	783	784	785	786	787	788	78

सचिन ने प्रशंसकों से पूछे सवाल , मिले मजेदार जवाब

मुम्बई ।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने हिंद दिवस पर सोशल मीडिया के जरिये अपने प्रशंसकों से खेल में प्रयोग होने वाले कुछ शब्दों के हिंदी नाम पूछे जिसपर उन्हें प्रशंसकों ने मजेदार जवाब दिये। हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि अंपायर, विकेटकीपर, फील्डर और हेलमेट को हिंदी में क्या कहते हैं। तेंदुलकर के इस सवाल पर प्रशंसकों ने तरह-तरह के जवाब दिए। किसी ने सीधे तो किसी ने मजेदा अंदाज में जवाब दिया। किसी ने जरूरी मुद्दों पर उनके मौन रहने पर भी सवाल उठाया। एक प्रशंसक ने हिंदी अर्थ लिखा, “अंपायर-विपंच, विकेट कीपर -फटकी का रखवाला, फील्डर- क्षेत्ररक्षक, हेलमेट - शिरस्त्राण तेंदुलकर को मिले एक और रोमांचक जवाब में सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता ने अंपायर को भारत के खिलाफ पासा पलटने वाला बताया। तेंदुलकर अपने करियर में स्वयं कई बार गलत अंपायरिंग का शिकार हुए हैं। इस प्रशंसक ने लिखा- 1 अंपायर - भारत के खिलाफ पासा पलटने वाला, 2 विकेटकीपर- स्टंप्स के पीछे से बक बक करने वाला , 3 फील्डर- बाउंड्री से बॉल वापस लाने वाला , हेलमेट - चालान कटने से बचाने वाला यंत्र।



डोपिंग के आरोप में हालेप निलंबित

टैनिस स्टार बोली फैसले के खिलाफ अपील करुंगी

लंदन ।

रोमानियाई महिला टेनिस स्टार सिमोना हालेप को डोपिंग के मामले में चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। हालेप को दो डोपिंग अपराधों के लिए ये सजा दी गयी है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआई) के अनुसार 31 वर्षीय हालेप को साल 2022 अमेरिकी ओपन में प्रतिबंधित पदार्थ रॉक्सडस्टेट के लिए पॉजिटिव पाया गया था। इस कारण उन्हें पिछले साल अक्टूबर से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। मई में दो बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन पर एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट (एबीपी) में अनियमितताओं संबंधित रिपोर्ट बनी थी जोकि जांच में सही पाई गई। हालेप अब 6 अक्टूबर 2026 तक पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगी। वहीं, आईटीआई के इस फैसले पर हालेप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वह इसके खिलाफ खेल पंचाट में अपील करेगी। उन्होंने कहा, टेनिस एंटी-डोपिंग कार्यक्रम के तहत एक



न्यायाधिकरण ने मेरे मामले में एक अस्थायी निर्णय की घोषणा की। पिछला साल मेरे जीवन के लिए सबसे कठिन रहा। मेरी लड़ाई जारी है। मैंने अपना जीवन टेनिस के खूबसूरत खेल को समर्पित किया है। मैं हमारे खेल को नियंत्रित

करने वाले नियमों को बहुत गंभीरता से लेती हूँ और इस तथ्य पर गर्व करती हूँ कि मैंने कभी भी जानबूझकर किसी भी प्रतिबंधित पदार्थ का उपयोग नहीं किया है। इसलिए मैं इस फैसले को खारिज करती हूँ।

मोरक्को के खिलाफ डेविस कप में अपना अंतिम मुकाबला खेलने उतरेंगे बोपन्ना



लखनऊ ।

डेविस कप टेनिस मुकाबले शनिवार से शुरू होंगे। इसमें भारतीय टीम विश्व ग्रुप दो

में मोरक्को से खेलेगी। ये डेविस कप मुकाबला भारतीय टीम के लिए कठिन नहीं होगा पर यह अहम इसलिए है क्योंकि इस मुकाबले के साथ ही अनुभवी रोहन

बोपन्ना खेल को अलविदा कह देंगे। 21 साल बाद 43 साल के बोपन्ना का डेविस कप करियर समाप्त हो जाएगा। पिछले कुछ साल में एटीपी सर्किट पर बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने वाले एकल खिलाड़ियों की कमी और जीते जा सकने वाले मैचों में मिली हार से भारतीय डेविस कप टीम का प्रदर्शन काफी प्रभावित हुआ है। फरवरी में टीम विश्व ग्रुप दो में भी फिसल गई जो अब तक नहीं हुआ था। वहीं नया प्रारूप 2019 में लांच होने के बाद से यह पहली बार है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन कमजोर हुआ है। भारत पिछली बार मार्च में डेविस कप मुकाबले में डेनमार्क से 2-3 से हार गया था। इस सत्र में भारतीय

टेनिस ने कोई विशेष पल नहीं देखे हालांकि पिछले सप्ताह बोपन्ना अमेरिकी ओपन पुरुष युगल के फाइनल में पहुंचे। वहीं युकी भांबरी ने एकल खेलना छोड़ दिया है जबकि रामकुमार रामनाथन शीर्ष 550 से भी बाहर हो गए हैं। इस सत्र में अलग-अलग टूर्नामेंटों में रामनाथन 17 बार पहले दौर से ही बाहर हो गए थे। यही वजह है कि कप्तान रोहित राजपाल ने उन्हें टीम में नहीं लिया हालांकि वह अभ्यास में मदद के लिए टीम का हिस्सा है। बोपन्ना 43 वर्ष की उम्र में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके स्ट्रोक में अभी भी तेजी है और वह जबदस्त विनर लगा रहे हैं। उनकी इच्छा को देखते हुए विदाई मैच उनके शहर

बेंगलुरु में खेला जाता तो बेहतर रहता। लखनऊ में स्टेडियम की दर्शक क्षमता 1300 है लेकिन बेंगलुरु में 6500 दर्शक बैठ सकते हैं। वर्ष 2002 में पदार्पण के बाद से अब तक खेले गए 32 मैचों में से बोपन्ना ने 22 मैच जीते हैं जिनमें दस एकल हैं। एआईटीए ने गुरुवार की रात को बोपन्ना का एक विशेष समारोह में अभिनंदन किया। उनके कई दोस्त और परिजन इस मैच को देखने के लिए पहुंचे हैं। भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल फॉर्म में हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में चैलेंजर टूर्नामेंट फाइनल खेलकर आए हैं जो इस सत्र में उनका तीसरा फाइनल था। शशि मुकुंद भारत के लिये पदार्पण करेंगे।

एशियाई खेलों के लिए अपने चयन को लेकर उत्साहित हैं किशन

नई दिल्ली ।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में जगह हासिल करने वाले गोलकीपर कृष्ण भी पाठक बेहद उत्साहित हैं। भारतीय टीम को एशियाई खेलों में अपने पहले मुकाबले में 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ कृष्ण भी पाठक ने कहा कि यह निश्चित रूप से मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। अगर मैं अपनी यात्रा पर पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कैप हासिल करने और अपना दूसरा एशियाई खेल खेलने का अवसर मिलेगा। यह ऐसी उपलब्धि है जिसे मैं जीवन भर संभाल कर रखूंगा। साथ ही कहा कि एशियाई खेलों में वह किसी भी टीम को नजरअंदाज नहीं करेंगे। अपनी टीम की संभावना को लेकर उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अच्छा



चल रहा है, सभी खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए जमकर मेहनत कर रहे हैं। अभ्यास पिच पर हम हर दिन कसरत करते हैं। इसके अलावा, हमने विशेषज्ञ डेनिस के साथ 4-5 गोलकीपिंग सत्र किए हैं और आने वाले दिनों में कुछ और सत्र होंगे। हम फिर से बुनियादी बातों पर ध्यान दे रहे हैं, पिछले टूर्नामेंटों में हमने जो गलतियाँ कीं और अन्य बातों के अलावा तत्काल फैसला लेने में सुधार कैसे किया जाए, इस पर भी हमारा ध्यान रहेगा। इस खिलाड़ी ने कहा कि 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 से पहले हमारे पास खेलों का अच्छा प्रदर्शन है। हमने कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेला है, इसलिए इससे हमें यह पहचानने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी कि हमारे मजबूत और कमजोर बिंदु क्या हैं। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी फेब्रुअरी 2023 में अच्छे प्रदर्शन से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ेगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने वाले पहले 'स्लिंगर गेंदबाज बने जमान

कोलंबो ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम शुरुआत से ही अपनी गेंदबाजी ताकत के लिए जानी जाती है। पाक में कई तेज गेंदबाज हुए हैं। अब टैप बॉल से खेलते हुए पाक एकदिवसीय टीम में पहुंचने वाले जमान खान पहले ऐसे क्रिकेटर हैं। वह पाक की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने वाले पहले 'स्लिंगर' (हाथ) को ऊपर की जगह कोण से ले जाकर गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज हैं। जमान को नसीम शाह के चोटिल होकर पाक की एशिया कप एकदिवसीय टीम में जगह मिली थी। 21 साल का खिलाड़ी 'टैप बॉल क्रिकेट खेलते हुए ही कश्मीर लीग में खेलने लगा। जमान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी एक वीडियो में कहा कि मेरे पिता और भाई मजदूर हैं। अपनी गली में कुछ लड़कों को क्रिकेट खेलते हुए देखकर मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसके बाद मेरे एक रिश्तेदार ने मेरी तेज गेंदबाजी देखकर मेरे गांव में अंडर-16



ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए कहा। भाग्यशाली रहा कि मेरा चयन हो गया और इस प्रकार मेरी यात्रा शुरू हुई। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए पाकिस्तान की अंडर-19 टीम में चुना गया। फिर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खेलते हुए पाक एकदिवसीय टीम में पहुंचने वाले जमान खान पहले ऐसे क्रिकेटर हैं। वह पाक की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने वाले पहले 'स्लिंगर' (हाथ) को ऊपर की जगह कोण से ले जाकर गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज हैं। जमान को नसीम शाह के चोटिल होकर पाक की एशिया कप एकदिवसीय टीम में जगह मिली थी। 21 साल का खिलाड़ी 'टैप बॉल क्रिकेट खेलते हुए ही कश्मीर लीग में खेलने लगा। जमान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी एक वीडियो में कहा कि मेरे पिता और भाई मजदूर हैं। अपनी गली में कुछ लड़कों को क्रिकेट खेलते हुए देखकर मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसके बाद मेरे एक रिश्तेदार ने मेरी तेज गेंदबाजी देखकर मेरे गांव में अंडर-16

धोनी ने अपने प्रशंसकों को बाइक पर बैठाया

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सबसे अच्छी बाइक की सवारी लगती है। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइक हैं। धोनी अपने प्रशंसकों के हमेशा करीब रहते हैं। अब उन्होंने रांची में रहने वाले अपने एक प्रशंसक को बाइक पर लिफट दी। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी



तेजी से आया है। इसमें एक युवक को धोनी ने लिफट दी। इस वीडियो में हेलमेट के कारण धोनी का चेहरा नहीं दिख रहा है। धोनी इस दौरान अपनी यामाहा आरडी 350 लेकर निकले थे। जिसकी कामत एक लाख से भी ज्यादा है। धोनी के साथ इस दौरान बाइक पर बैठा उनका प्रशंसक बेहद उत्साहित दिखा। उनकी जिंदगी की पहली बाइक यामाहा आरएक्स 135 थी जो उन्होंने 30 हजार में खरीदी थी जिससे उन्होंने अब भी संभाल कर रखा है जबकि आज उनके पास कई महंगी गाड़ियां हैं। धोनी के बाइक कलेक्शन में सबसे महंगी बाइक कॉन्फेडरेट हेलकैट एक्स132 है जिसकी कीमत करीब 47 लाख रुपये है। उनकी अन्य महंगी बाइक में डुकाटी 1098 है जिसकी कीमत 35 लाख रुपये है। इसके अलावा धोनी ने कावासाकी निंजा भी रखी है। इसके अलावा उनके पास हार्जो डेविशन जैसी बाइक है। इसकी कीमत 22 लाख रुपये और सुजुकी ब्याबुसा की कीमत 16.50 लाख रुपये है।

यूपी के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा डेविस कप का आयोजन-योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लिए यह अत्यंत स्मरणीय क्षण है कि लगभग 23 वर्षों के बाद डेविस कप के रूप में एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी, जिसमें लीग मैच भारत और मोरक्को के बीच 16 और 17 सितंबर को विजयंत खंड गोमती नगर में जो टेनिस कोर्ट बनाया गया है वहां पर संपन्न होंगे। इसके लिए प्रदेश सरकार की ओर से विशेष तैयारियां की गई हैं। पूरा विश्वास है कि भारत के अलग-अलग क्षेत्रों से और मोरक्को से आए हुए खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश के अंदर इस आयोजन के साथ जुड़ने में आनंद की अनुभूति होगी और आपके खेलों के माध्यम से देश और प्रदेश के युवाओं को खेल के प्रति जागरूक होने और इसके माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त

होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुरुआत को अपने सरकारी आवास पर डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप 2 में भारत और मोरक्को के बीच होने वाले मैचों की ड्रॉ सरेमनी के अवसर पर अपने सम्बोधन में कहीं। इससे पूर्व सीएम योगी ने ड्रॉ खोलकर मैचों के शेड्यूल का भी ऐलान किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने डेविस कप के लिए लखनऊ आए विशिष्ट अतिथियों को ओडीओपी उपहार देकर सम्मानित किया। इनमें पूर्व टेनिस लीजेंड विजय अमृतराज भी शामिल रहे। इस दौरान दोनों देशों के खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया और उन्होंने सीएम योगी के साथ ग्रुप फोटो शूट भी कराया। सीएम योगी ने प्रदेश में खेलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के खेलो इंडिया खेलों के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम रहा हो या फिर

फिट इंडिया मूवमेंट के माध्यम से खेल की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम, इन सभी ने पूरे देश के अंदर खेल का एक बेहतरीन माहौल दिया है। खेल सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि प्राचीन काल से ही भारत की परंपरा इस बात पर विश्वास करती रही है कि 'शरीर माध्यम खुलू धर्म साधन'... यानी जीवन के जो भी साधन होते हैं वो एक स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं और स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद की प्रतियोगिताएं आवश्यक हैं। छह वर्ष में इन सभी कार्यक्रमों को प्रदेश में आगे बढ़ाने का कार्य किया है। आज उसी का परिणाम है कि प्रदेश के अंदर खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बेहतर प्रयास प्रारंभ हुए हैं। उत्तर प्रदेश आज देश के अंदर इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने वाला एक अग्रणी राज्य है। खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो हर ग्राम पंचायत में खेल

का मैदान बनाने, हर ग्राम पंचायत में युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को स्पॉर्स्ट फिट उपलब्ध करवाने, सभी जनपदों में खेल के स्टेडियम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम पर कार्य किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा खर्च की जाने वाली राशि से गांव में ओपन जिम के निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। सीएम योगी ने खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को लेकर प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में 50 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को 1.50 लाख रुपये मानदेय पर प्रशिक्षण हेतु रखने की कार्यवाही को शुरू किया है। इसी मद में प्रदेश में एकलव्य क्रीड़ा कोष से 142 खिलाड़ियों को वर्तमान में आर्थिक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

श्रीलंकाई स्पिनर तीक्ष्ण का एशिया कप फाइनल में खेलना सदिग्ध

कोलंबो । श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्ष्ण का भारत के खिलाफ रिविwar को होने वाले एशिया कप फाइनल में खेलना सदिग्ध है। तीक्ष्ण पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मैच में हैमस्ट्रिंग इजरी के शिकार हुए थे। इसी कारण तीक्ष्ण को बारिश से ब्रेक के बाद 35वें ओवर में गेंदबाजी के लिए जाने के समय परेशानी हुई थी। तभी से उन्हें चलने में भी परेशानी त हो रही थी। इसी कारण उन्होंने किसी तरह ओवर पूरा किया। 39वें ओवर की शुरुआत में ही तीक्ष्ण को मैदान से बाहर जाना पड़ा था। तब तीक्ष्ण ने मैच में 9 ओवर में 42 रन देकर 1 विकेट लिया था। आगामी विश्व कप को देखते हुए श्रीलंकाई टीम अपने इस स्टार स्पिनर को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी। ऐसे में उनके भारत के खिलाफ एशिया कप का फाइनल खेलने की उम्मीद कम ही है। वैसे भी, श्रीलंका खिलाड़ियों की चोट को लेकर पहले से ही परेशान है। चोट के कारण ही वॉरिनट्ट हसारांग भी टीम से बाहर हैं। वहीं तीक्ष्ण की चोट को लेकर श्रीलंकाई क्रिकेट ने एक बयान जारी कर कहा था, पाक के खिलाफ मैच में तीक्ष्ण फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके लिए उनका स्कैन होगा जिसके बाद ही उनके आगे खेलने पर फैसला होगा। तीक्ष्ण ने इस साल 15 एकदिवसीय मैचों में 17 की औसत से कुल 31 विकेट लिए हैं।



सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज आज से

मुंबई । देश में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज शनिवार से शुरू होने जा रही है। इसके तरह नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में तीन मैचों की सीरीज 16 से 18 सितंबर तक खेली जाएगी। सीरीज में इस बार भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमों शामिल होंगी। नो हॉकिंग ट्वेंटी20 सीरीज लोकप्रिय सड़क सुरक्षा विश्व सीरीज का ही विस्तार है, जो सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा समर्थित है। इसके तहत इंडिया लीजेंड्स और बांग्लादेश लीजेंड्स सभी एक साथ खेलेंगे। इस दौरान वातावरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ कम से कम हॉर्न बजाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा जिससे ध्वनि प्रदूषण समाप्त किया जा सके। नो हॉकिंग ट्वेंटी-20 सीरीज के जरिये ये संदेश भी दिया जा रहा है कि कि इस देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, ज्यादा हॉर्न बजाने से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खतरों के बारे में हमें जानासक होना हमारे लिए जरूरी है। साथ ही कहा कि मेरा मानना है कि इस सीरीज में ये लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा क्योंकि सभी लोग ध्वनि प्रदूषण से परेशान हैं। कि इसप्रकार ये क्रिकेट सीरीज जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षा और सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में शिक्षित करने का एक प्रयास है। सड़क सुरक्षा में शामिल सरकार और अन्य प्रशासनिक निकाय इस पहल के पूर्ण समर्थन में हैं। इस दौरान क्रिकेटर सड़क सुरक्षा के साथ ही ध्वनि प्रदूषण को लेकर भी लोगों को जानकारी देंगे।



सांप्रदायिक हिंसा आरोपी विधायक मम्मन खान गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह में हुई सांप्रदायिक हिंसा के आरोपी हरियाणा कांग्रेस विधायक मम्मन खान को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। हरियाणा पुलिस के अनुसार विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की यात्रा के दौरान अगस्त 2023 में हुई हिंसा में उसकी संलिप्तता के पर्याप्त सबूत थे। फिरोजपुर झिरका के विधायक ने गिरफ्तारी से सुरक्षा की मांग करते हुए मंगलवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय को दरवाजा खटखटाया था और सुनवाई 19 अक्टूबर को होनी थी। मम्मन ने दावा किया कि उन्हें मामले में फसाया जा रहा है, क्योंकि जिस दिन हिंसा भड़की थी उस दिन वह नूंह में मौजूद नहीं थे। हालांकि, हरियाणा पुलिस ने अदालत को सूचित किया कि कांग्रेस नेता को सबूतों के उचित मूल्यांकन के बाद आरोपी के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस के पास उनके मामले का समर्थन करने के लिए फोन कॉल रिकॉर्ड जैसे सबूत हैं। मम्मन को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले विधायक को नूंह पुलिस ने जांच टीम के सामने पेश होने के लिए दो बार समन भेजा था। हालांकि, उन्होंने वायरल बुखार को कारण बताते हुए पुलिस के समन का पालन नहीं किया। विधायक के वकील के अनुसार, खान को गुरुवार को ही एफआईआर में आरोपी के रूप में अपना नाम शामिल किए जाने के बारे में पता चला। उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका में, खान ने हरियाणा सरकार को एक उच्च स्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने के लिए निर्देश देने की मांग की थी, जिसमें पुलिस महानिरीक्षक पद से नीचे के अधिकारी शामिल न हों। उन्होंने अनुरोध किया कि हिंसा से संबंधित मामलों को एसआईटी को स्थानांतरित कर दिया जाए। गौरतलब है 7कि नूंह में 3 1 जुलाई को वीएचपी के नेतृत्व में 7निकाले गये जुलूस पर भीड़ के हमले में छह लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

हवाई अड्डे पर छह अजगर, एक काली गिलहरी की गई जव्त

चेन्नई । सीमा शुल्क वायु खुफिया इकाई (एआईयू) के अधिकारियों ने अज्ञा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैकोंक से आए एक यात्री से विभिन्न आकार के छह बॉल अजगर और एक काली गिलहरी जव्त की। हवाई अड्डे के सूत्रों ने कहा, खुफिया जानकारी के आधार पर, बैकोंक से आए पुरुष भारतीय यात्री को एआईयू अधिकारियों ने रोक लिया। उसके चेक-इन किए गए सामान की जांच करने पर, 16 संख्या में बॉल पाइथॉन (विभिन्न रूप) और एक संख्या में काली गिलहरी छिपी हुई पाई गई और उन्हें बरामद कर लिया गया और उन्हें सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत जव्त कर लिया गया।

ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों के हिन्दी प्रेम पर मोदी हुए मंत्रमुग्ध

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त एवं उच्चायोग के अन्य अधिकारियों के हिन्दी के प्रति प्रेम एवं हिन्दी की कहावतों एवं दोहों को सोशल मीडिया पर साझा करने की सराहना की है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रोन ओआम ने एक पोस्ट में एक वीडियो साझा किया है जिसमें उच्चायोग के अधिकारी अपनी पसंदीदा मुहावरे एवं दोहे कह रहे हैं। उच्चायुक्त कहते हैं हिंदी न केवल ऑस्ट्रेलिया में, बल्कि दिल्ली स्थित हमारे राजनयिकों के बीच भी लोकप्रिय है। इसके बाद में उच्चायोग के अधिकारी दोहे या मुहावरे करते हैं, काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी तब बहुरि करेगो कब’, ‘कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती’, ‘जैसा देश वैसा वेष’, ‘सांच को आंच नहीं’ और ‘कर्म करो, फल की चिंता मत करो’। श्री मोदी इस पर टिप्पणी करते हैं, आपके ये दोहे और मुहावरे मंत्रमुग्ध करने वाले हैं! ऑस्ट्रेलिया के राजनयिकों का हिन्दी के प्रति ये लगाव बेहद ही दिलचस्प है।

जवानों की मौत पर खामोश पीएम मोदी, मोदी की खामोशी से पाकिस्तानी सरकार और सेना में बैचेनी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ सेना ने ऑपरेशन और तेज कर दिया है। एनकाउंटर साइट पर आंतकियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग की भी खबर है। लगातार तीसरे दिन भी आंतकियों से मुठभेड़ वहां पर जारी है। अपने तीन बहादुर ऑफिसर्स के वीर गति का बदला लेने के लिए यहां पर सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। 500 से ज्यादा भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर के जवान को तैनात किया गया है। जम्मू कश्मीर में चल रहे एंटी टैरर ऑपरेशन में सेना ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आंतकियों को पकड़ने के लिए जबरदस्त संच ऑपरेशन चल रहा है। [जानकारी के मुताबिक अनंतनाग में दो-तीन आंतकी छुपे हो सकते हैं। सेना किसी भी रकत इन आंतकियों को दबांच सकती है। लेकिन इसी बीच एक वीज न सेब को हैरत कर दिया है। विपक्षी दल पूछ रहे हैं कि अनंतनाग में हुए हमले पर पीएम मोदी खामोश क्यों हैं? पाकिस्तान को पीएम मोदी की खामोशी चिंता पैदा कर रही है। पाकिस्तान को डर है कि पीएम मोदी की खामोशी किसी बड़े पलटवार की तरफ इशारा कर रही है। जानकारों का मानना है कि बस आप तूफान के लिए तैयार रहिए। भारतीय जवानों की शहादत का बदला लिया जाएगा। सूत्रों की मुताबिक जानकारी मिल रही है कि पाकिस्तान को एयर स्ट्राइक का खौफ सता रहा है। पाकिस्तान ने अपने सारे आंतकी कैप और लांच पैड एलओसी के पास तैनात कर दिए हैं। ये सारा षड़यंत्र पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का है।

नीतिश के मंत्री के विवादित बोल, रामचरित मानस में पोटेशियम साइनाइड

पटना । बिहार की नीतिश सरकार में शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने रामचरित मानस पर फिर विवादित बयान दिया है। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि रामचरित मानस में पोटेशियम साइनाइड है। उन्होंने कहा कि जब तक इसमें पोटेशियम साइनाइड रहेगा तब तक मैं विरोध करूंगा। दरअसल शिक्षा मंत्री हिन्दी दिवस के मौके पर बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने रामचरित मानस को लेकर फिर से विवादित बयान दिया है। शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस के अणुकांड की चोपाई पूजही विक्रम सल्लू गुण हीना, शुद्ध न पुजहव वेद प्रवीना को लेकर कहा कि, यह क्या है? क्या इसमें जाति को लेकर गलत बात नहीं कही गई है? इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछली बार रामचरितमानस के सुंदरकांड के दोहे पर बयान देने के बाद जीभ काटने के लिए 10 करोड़ रुपए की बोली लगाई गई थी। इसतरह के लोग बताएं कि मेरे गले की कीमत क्या होगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जब तक गोदान के पात्र की जातियां बदलेगी तब तक विरोध करना जारी रखूंगा। इन चीजों का विरोध डॉ राम मनोहर लोहिया और नागार्जुन ने भी किया था। वहीं चन्द्रशेखर के विवादित बयान पर केन्द्रीय मंत्री पशुपति पारस ने निशाना साधकर कहा कि वह धर्म और शिक्षा के नाम पर लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। उन्होंने रामचरितमानस पर पहले भी आपत्तिजनक बयान दिया था यह बहुत ही गलत है और धर्म के विरुद्ध है। बता दें, शिक्षा मंत्री अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले दिनों भी उन्होंने रामचरित मानस और सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था।

सिसोदिया को राहत नहीं, अंतरिम जमानत याचिका अक्टूबर तक टली

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई 4 अक्टूबर तक स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा कि सुनवाई की तारीख शुक्रवार या किसी अन्य दिन तय की जाएगी। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अनुरोध किया, यदि मामले को 4 अक्टूबर को किया जाय, तब सुनवाई के लिए काफी समय मिल जाएगा। अतिरिक्त सौलिसिटर जनरल एस.बी. राजू के द्वाीय जांच एजेंसियों की ओर से शीघ्र अदालत में पेश हुई। केजरीवाल सरकार में पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने मानवीय आधार पर अपनी बीमार पत्नी सीमा से मिलने के लिए अंतरिम जमानत की अर्जी लगाई है और उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत की है। 4 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर कोई भी निर्देश पारित करने से मना कर दिया था और अंतरिम राहत और नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए मामले को 4 सितंबर को फिर से सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

प्रियंका गांधी वाड़ा का पीएम मोदी को पत्र हिमाचल की आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन के कारण उत्पन्न प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आग्रह किया। जुलाई और अगस्त के महीनों में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने कुल्लू, मंडी, शिमला और सोलन जिलों सहित हिमाचल के कई हिस्सों में कहर बरपाया था। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी द्वारा पीएम मोदी को लिखे पत्र को साझाकर कहा कि हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से वहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

कांग्रेस ने कहा कि राज्य सरकार पूरे समर्थन के साथ राहत कार्यों में लगी हुई है, लेकिन अगर केंद्र को मोदी सरकार द्वारा राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाता है,



तब यह हिमाचल प्रदेश के पुनर्निर्माण में बहुत मददगार होगा। इसके पहले प्रियंका ने हिमाचल के शिमला, कुल्लू, मनाली और मंडी के कई गांवों में आपदा पीड़ितों

से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि इतने बड़े पैमाने पर हुए नुकसान और लोगों की पीड़ा देखकर बहुत दुख हुआ है। हिमाचल की जनता राज्य सरकार

साथ मिलकर, एकजुटता की जिस भावना के साथ संकट का सामना कर रही है, वह पूरे देश के लिए मिसाल है। इसी भावना के तहत मैं केंद्र सरकार से पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और हिमाचल में आई आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की अपील करती हूँ। प्रियंका ने कहा था कि इस भयानक आपदा के समय जब हिमाचल के किसानों को मदद की जरूरत है, तब मोदी सरकार द्वारा विदेशी सेब पर आयात द्यूटी घटा कर हिमाचल के बागवानों को चोट पहुंचाना उचित नहीं है। हिमाचल की जनता केंद्रीय सरकार और प्रधानमंत्री जी से ये उम्मीद रखती है कि इस संकट के समय में, उनकी नीतियां हिमाचल की मदद करें और जनता को आपदा का सामना करने का हौसला दें।

प्रधानमंत्री मोदी जिन्होंने पिछले 9 वर्षों में कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की, वे असली घमंडी हैं: अतुल लॉटे

– मोदी राज में मीडिया की आजादी का सबसे ज्यादा गला घांट दिया गया

मुंबई, (एजेंसी)। इंडिया आघाडी ने मोदी सरकार का एजेंडा चलाने वाले कुछ टीवी पत्रकारों के कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है, लेकिन इसकी मिचं भारतीय जनता पार्टी को क्यों लग रही है। पत्रकारिता के नाम पर धार्मिक तनाव बढ़ाने का काम करने वालों के कार्यक्रम में इंडिया गठबंधन ने शामिल नहीं होने की जरूरत महसूस की है। इसे लेकर बीजेपी को क्यों आपत्ति हो रही है। महाराष्ट्र कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लॉटे ने कहा है कि बीजेपी, इंडिया गठबंधन को घमंडी और तानाशाह बता रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असली घमंडी हैं, जिन्होंने पिछले साढ़े नौ साल में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है। बीजेपी के बारे में बात करते हुए अतुल लॉटे ने कहा कि जी-20 सम्मेलन के लिए आए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को मोदी सरकार ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की इजाजत नहीं दी। इसलिए उन्होंने वियतनाम जाकर मोदी सरकार को खरी खोटी सुनाई। साल 2014 में भारतीय जनता पार्टी ने एनडीटीवी के रवीश कुमार के कार्यक्रम का बहिष्कार किया था। केरल के पत्रकार सिद्दीकी कम्पन को उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस सामूहिक बलात्कार मामले पर रिपोर्टिंग के आरोप में यूएपीए अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 23 महीने बाद उन्हें जमानत दे दी। मराठ आरक्षण पर रहमाद्वि गेस्ट हाउस में बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से पहले वायरल हुए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच बातचीत का



लेकर पत्रकार सुधीर सूर्यवंशी के ट्वीट के खिलाफ महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने शिकायत की है। मुंबई-गोवा हाईवे मुद्दे पर आंदोलन को कवर करते वक्त बीजेपी सरकार की पुलिस ने पत्रकारों की पिटाई कर दी। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को अमेठी में एक पत्रकार से बहस के बाद अपनी नौकरी गंवानी पड़ी, जिसने उनसे तोखे सवाल किए थे। देश भर में ऐसे कई उदाहरण हैं जब मोदी सरकार के खिलाफ रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों को नौकरी से निकालने के लिए मजबूर किया गया।

अतुल लॉटे ने कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता

सूचकांक में भारत 180 देशों में से 161 वें स्थान पर है, जिससे पता चलता है कि भारत में मीडिया कितना स्वतंत्र है। 2014 के बाद से भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार मीडिया में जबरदस्त दखल दे रही है। देश में अधिकांश मीडिया को भाजपा के करीबी उद्योगपतियों ने खरीद लिया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि बीजेपी सरकार इस हद तक गिर गई है कि ससंद में विपक्षी दलों के नेताओं का माइक्रोफोन बंद करा दिया जाता है। इसलिए बीजेपी द्वारा मीडिया की आजादी की बात करना, उलटा चोर कोतवाल को डांटे की तरह है।

एआईएमआईएम नेता का आजम पर तंज, उम्मा बहुत हो गई कृपया सांड से बचके रहे

– लाल कपड़े और लाल टोपी पहनकर बाहर नहीं निकले

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । प्रयागराज (इंएमएस) । समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान के रामपुर स्थित घर और ठिकानों पर आयकर की रेंड पर एआईएमआईएम के प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने तंज कसा है। फरहान ने कहा है कि अभी तब आजम के खान के ठिकानों पर इंडी, सीबीआई, एसआईटी और आयकर की रेंड पड़ रही है, लेकिन आजम खान अगार लाल कुर्ता और लाल टोपी पहनकर घर से बाहर निकलते हैं, तब सांड भी उनके पीछे पड़ जाएगा। इसके बाद उनके आजम खान के पीछे सांड पड़ गया तब वह मुश्किल में फिर जाएंगे, क्योंकि सांड को ना ही कानून और ना ही सविधान का पता है। सांड जहां भी पाएगा लाल कुर्ते और टोपी वाले को उरटा करके रख देगा। फरहान ने कहा है कि आजम इंडी, सीबीआई, एसआईटी और आयकर से तब कानूनी दांव पेंच से बच सकते हैं, लेकिन वह सांड से नहीं बच पाएंगे।

एआईएमआईएम नेता ने आजम के ठिकानों पर आयकर विभाग की रेंड को लेकर सपा मुखिया और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को भी आड़े हाथों लिया है। एआईएमआईएम नेता फरहान ने सांड को सपा मुखिया अखिलेश यादव का ब्रांड एंबेसडर बताया है। उन्होंने कहा है कि सांड अखिलेश का बेहद करीबी भी है। मो. फरहान ने आरोप लगाया गया है कि बीजेपी सरकार ने अखिलेश और प्रो राम गोपाल यादव के प्रति नरम रख रखा है, जबकि आजम के खिलाफ लगातार जांच एजेंसियां कार्यावाही कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि अखिलेश और आजम खान को साफ करना चाहिए किन किसके साथ है। फरहान ने कहा है कि बैरिस्टर असदुद्दीन औवेसी के चलते ही आजम खान आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं, क्योंकि उनके अथक प्रयासों से ही वह जेल से रिहा हुए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर आजम खान यह एहसान मानते हैं तब अच्छ है, नहीं मानते तब भी अच्छ है। एआईएमआईएम नेता आजम को नसीहत देकर कहा है कि उनकी उम्र काफी ज्यादा हो गई है, इसलिए उन्हें सांड से बचने की जरूरत है।

इस चुनाव में शिवराज सिंह सरकार की विदाई तय हो चुकी : सुरेश पचौरी

– सनातन धर्म के कभी खिलाफ नहीं रही कांग्रेस पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस और पूर्व राज्यसभा सांसद नेता सुरेश पचौरी ने कहा कि इस बार चुनाव में शिवराज सिंह सरकार की विदाई तय है। उन्होंने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि 2023 में प्रदेश की महान जनता का साथ हाथ के साथ होगा। पचौरी ने कहा कि चुनाव में कई फैक्टर होते हैं, जो राजनीतिक दल चुनावी मैदान में हैं, उन्होंने समय-समय पर जनता से जो वादे किए उन वादों की पूर्ति की दिशा में क्या कदम उठाए गए, फिर उम्मीदवार एक फैक्टर होते हैं, फिर जो सरकार सत्ता में रहती है उसके कामकाज का ब्यौरा मतदाता के सामने रहता है।

पचौरी ने शिवराज और मोदी सरकार पर हमला कर कहा, डबल इंजन सरकार के दोनों इंजन फेल हो चुके हैं। मैं



इशारा कर रहा हूं भाजपा की केंद्र सरकार और भाजपा की राज्य सरकार की तरफ। पीएम मोदी ने जनता को वादा किया था कि हर साल 2 करोड़ लोगों को रोजगार दिया जाएगा। हर व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये आएंगे। काला धन वापस आएगा। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी होगी। इतना ही नहीं मध्य प्रदेश में 22 हजार घोषणाएं सौंप चोहन ने कर दी है। बीजेपी नेता रघुनंदन शर्मा मुख्यमंत्री को घोषणावीर कहते हैं। लेकिन उन घोषणाओं पर कितना अमल

होता है ये देखिए।

राज्य पर बढ़ते कर्ज का जिन्न कर कांग्रेस नेता पचौरी ने कहा, मध्य प्रदेश पर हर साल कर्जों बढ़ रहा है। चार महीने पहले बात आई थी कि मध्य प्रदेश पर 3.69 लाख करोड़ का कर्जों हो गया है, जो अब बढ़ गया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है कि वहां अनुसूचित जाति, जनजाति पर अत्याचार के मामले में नंबर है. गैरिपे के मामले, शिशुमृत्यु दर के मामले और मातृत्व मृत्यु दर के मामले में मध्य प्रदेश नंबर वन है, ये

मणिपुर जातीय हिंसा : करीब 175 लोग मारे गए, 32 लापता

इफाल । मणिपुर में चार माह पहले हुई जातीय हिंसा के बाद से करीब 175 लोग मारे गए, 1108 अन्य घायल हुए और 32 लापता हैं। पुलिस महानिरीक्षक (संचालन) आई.के. मुइवा ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी मुइवा ने कहा कि 4,786 घरों को आग लगा दी गई और 386 धार्मिक संरचनाओं को नष्ट कर दिया गया या तोड़फोड़ की गई। मुइवा ने कहा कि नष्ट या तोड़फोड़ की गई 386 धार्मिक संरचनाओं में से 254 चर्च और 132 मंदिर हैं। आईजीपी ने बताया कि जो हथियार खोजे गए हैं, उनमें से 1359 आग्नेयास्त्र और 15,050 विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। विभिन्न रिपोर्टों, राजनीतिक दलों ने दावा किया कि तीन मई को भड़के जातीय दंगों के दौरान भीड़, हमलावरों और उग्रवादियों द्वारा पुलिस स्टेशनों और पुलिस चौकियों से 4,000 से अधिक विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक हथियार और लाखों विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद लूट लिए गए। मणिपुर के लोगों को अश्वस्त करते हुए आईपीएस अधिकारी ने कहा कि पुलिस, केंद्रीय बल और नागरिक प्रशासन सामान्य स्थिति लाने के लिए चौबीसों घंटे प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बिष्णुपुर जिले के फोगाचाओ इलाखी से चुरावांदपुर जिले के कांगबई तक सुरक्षा बैरिकेड हटा दिए गए हैं, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा प्रदान की गई है। पुलिस अधिकारी ने दावा किया कि राज्य बल की नवीनतम कार्रवाई जनता को पसंद आएगी जो चाहती थी कि सुरक्षा बैरिकेड हटा दिए जाएं और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को उनके मूल स्थानों पर लौटने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 5,172 आगजनी के मामले सामने आए हैं और 4,786 घरों में आग लगा दी गई है। पुलिस महानिरीक्षक (प्रशासन) के जयंत ने कहा कि मरने वाले 175 लोगों में से नौ अभी भी अज्ञात हैं। उन्होंने कहा, 79 शवों पर दावा किया जा चुका है जबकि 96 शव लावारिस हैं।

आज होगी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक, लोकसभा और 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा संभव

– विस्तारित कार्य समिति की बैठक 17 सितंबर को हैदराबाद में

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की नई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की पहली बैठक शनिवार को होगी, जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे की रणनीति, विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता को आगे ले जाने, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों तथा कई अन्य विषयों पर चर्चा होगी। कांग्रेस ने गत 20 अगस्त को अपनी कार्य समिति का पुनर्गठन किया था जिसमें पार्टी अध्यक्ष महिक्काजुन खरगे के साथ पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। कार्य समिति में 39 सदस्य, 32 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 13 विषय आर्मांत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं। कार्य समिति में सचिन पायलट और शशि थरूस जैसे नेताओं को पहली बार जगह मिली है।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक 16 सितंबर को होगी और फिर अगले दिन विस्तारित कार्य समिति की बैठक होगी। कार्य समिति की बैठक के बाद 17 सितंबर को हैदराबाद के निकट एक जनसभा भी होगी जिसे पार्टी के

शीर्ष नेता संबोधित करने वाले हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इसमें आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार को घेरने की रणनीति, विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता को आगे ले जाने, संगठन को मजबूत करने तथा कई अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

सूत्रों ने बताया कि 'भारत जोड़े यात्रा के दूसरे चरण को लेकर भी इस कार्य समिति में चर्चा हो सकती है। माना जा रहा है कि कार्य समिति की बैठक, जनसभा और मार्च के जरिए कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान का विधिवत आगाज करेगी। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। सूत्रों का कहना है कि कार्य समिति की बैठक में 'इंडिया गठबंधन को और मजबूत करने को लेकर चर्चा हो सकती है। कार्य समिति की बैठक में कुछ महीने बाद पांच राज्यों- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भी मंथन होगा। कांग्रेस की कोशिश है कि इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन करके लोकसभा चुनाव के लिए अपनी दावेदारी को और मजबूत किया जाए।

एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है। नीति आयोग ये कह रहा है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के क्षेत्र में मध्य प्रदेश फिसलू रहा है। देश में चौथा गरीब राज्य हो गया है जो इस चुनाव में आधार बनेगा। पचौरी ने कहा कि हम सभ धर्मालंबी हैं, अपने-अपने धर्म के प्रति सजग है। अगर कोई निजी आधार पर सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तब उसमें कोई आपत्ति नहीं है। सनातन मुद्दे पर उन्होंने कहा, मैं सनातन धर्म का होने के नाते अपने आप को गौरवान्वित महसूस करता हूं। मैं टीका लगाता हूं, जनेऊ पहनता हूं, लेकिन दिखाने के लिए नहीं पहनता, ये हमारी आस्था है। सनातन पर हमें गर्व है.. सनातन धर्म के मामले में मैं ये कह सकता हूं कि सनातन धर्म पर हमें पहले भी गर्व था और आज भी गर्व है और सनातन धर्म हमें अपनी भारतीय संस्कृति की तरफ प्रेरित करता है। सनातन धर्म के विपरीत कोई बयान देता है, तब कांग्रेस पार्टी उससे ना कभी सहमत हुई है और ना होगी।



फांसिसी राजदूत लेनेन ने भारत-फांस संबंध को लेकर कही ये बात

पेरिस । भारत में फांसिसी राजदूत इमेनुएल लेनेन ने भारत में अपने कार्यकाल पर विचार साझा किए। भारत-फांस संबंध, रक्षा सहयोग और भारत की अध्यक्षता में हाल ही में हुए जी20 शिखर सम्मेलन सहित असंख्य विषयों पर लेनेन ने खुलकर बात की। लेनेन दोनों देशों में स्वायत्तता और क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अधिक सहयोगी परियोजनाओं की आशा करते हैं। मेक इन इंडिया पहल पर चर्चा करते हुए, उन्होंने 50 प्रतिशत ऑफसेट दायित्वों को पूरा करते हुए इस पहल को आगे बढ़ाने में फांसिसी कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उल्लेख किया। अब ध्यान भविष्य की प्रौद्योगिकियों को सह-विकसित करने पर है, जिसमें अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान इंजनों को विकसित करने में सहयोगात्मक प्रयास भी शामिल है। हाल के जी20 शिखर सम्मेलन पर विचार करते हुए, लेनेन ने जी20 के राजनीतिक निकाय नहीं होने के बावजूद, भिन्न विचारों वाले देशों के बीच एकता और आम सहमति को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रशंसा की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने के महत्व को दोहराया, यूक्रेन युद्ध से संबंधित संयुक्त विज्ञापि में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में रूस के अलगाव पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने यूक्रेन संघर्ष के जवाब में अहिसक प्रतिबंधों और रूस पर ऊर्जा निर्भरता को कम करने के उपायों के प्रति यूरोपीय संघ की दृढ़ प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

सिख छात्र की बेरहमी से पिटाई, आरोपियों ने छिड़का मिर्च स्प्रे

टोरंटो । कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक सिख छात्र पर एक अन्य किशोर के साथ विवाद के चलते हमला किया गया। सूत्रों के अनुसार सोमवार को केलेना में रटलैंड रोड साउथ और रॉबसन रोड ईस्ट चौराहे पर हाईस्कूल के 17 वर्षीय छात्र को बेरहमी से पीटते हुए उस पर मिर्च स्प्रे किया गया। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब सिख छात्र घर जाने के लिए यात्री बस से उतर रहा था। कनाडा के विश्व सिख संगठन (डब्ल्यूएसओ) ने आरोप लगाया है कि बस में भी छात्र के साथ मारपीट की गई थी। ब्रिटिश कोलंबिया के लिए डब्ल्यूएसओ की उपाध्यक्ष गुतास कोर के हवाले से खबर में कहा गया कि केलेना में सोमवार को हुआ यह हमला अस्वीकार्य है। इस साल शहर में सार्वजनिक वाहन में किसी सिख युवक के खिलाफ हिंसा की यह दूसरी घटना है। इससे पहले मार्च में, भारत के सिख छात्र गगनदीप सिंह (21) पर ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में अज्ञात लोगों के एक समूह ने हमला किया था।

अमरीकी राजनयिकों पर अवैध गतिविधि में शामिल होने का आरोप, देश छोड़ने का अल्टीमेटम

मास्को । अमेरिका के दो राजनयिकों पर अवैध गतिविधि में शामिल होने का आरोप लगाते हुए रूस के विदेश मंत्रालय ने उन्हें सात दिनों में देश छोड़ने का आदेश दिया। मंत्रालय ने एक बयान में आरोप लगाया कि रूस में अमेरिकी दूतावास के प्रथम सचिव जेफे सिलिन और द्वितीय सचिव डेविन बर्नस्टीन व्लादिवास्तोक में अमेरिकी दूतावास के पूर्व कर्मचारी के संपर्क में रहे जिसे इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। पूर्व कर्मचारी पर यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई तथा संबंधित मुद्दों के बारे में अमेरिकी राजनयिकों के लिए सूचना एकांकित करने का आरोप है। बयान के अनुसार, रूस में अमेरिका की राजदूत लिन ट्रेसी को बृहस्पतिवार को तलब किया गया और उन्हें सिलिन तथा बर्नस्टीन को निष्काशित किए जाने की सूचना दी गयी। मॉस्को में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सरकार "उचित जवाब" देगी। इस बीच, स्लोवाकिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन करने को लेकर देश की राजधानी ब्रातिस्लावा में रूसी दूतावास के एक राजनयिक को निष्काशित कर रहा है। उसने कथित उल्लंघन की कोई जानकारी नहीं दी। स्लोवाकिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राजनयिक को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

एक पखवाड़े से लापता चीनी रक्षा मंत्री को लेकर अमरीका ने जताई नजरबंदी की आशंका

वाशिंगटन । चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू को सार्वजनिक रूप से लगभग एक पखवाड़े से नहीं देखा गया है। अमरीकी सूत्रों के मुताबिक, शांगफू से रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी भी छीन ली गई है। एक्स पर जापान में अमेरिकी दूत रहम एमानुएल ने लिखा कि राष्ट्रपति शी की कैबिनेट लाइनअप अब अगाथा क्रिस्टी के उपन्यास एंड देन देयर नन से मिलती जुलती है। पहले, विदेश मंत्री किर गंग लापता हो गए, फिर रॉकेट फोर्स कमांडर लापता हो गए और अब रक्षा मंत्री ली शांगफू दो सप्ताह से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए हैं। इमानुएल ने कहा कि बेरोजगारी की इस दौड़ में कौन जीतेगा? चीन के युवा या शी की कैबिनेट? उन्होंने हेमलेट में शकसपियर को उद्घृत करते हुए लिखा कि डेनमार्क राज्य में कुछ सड़ गया है। पहला रक्षा मंत्री ली शांगफू का अदृश्य होना और दूसरी ओर वे अपनी वियतनाम यात्रा के लिए उपस्थित नहीं थे। अब वे सिंगापुर के नौसेना प्रमुख के साथ अपनी निर्धारित बैठक से अनुपस्थित हैं क्योंकि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है? अमरीकी सूत्रों ने आशंका जताई कि हो सकता है कि वहां भीड़ हो रही हो या उसने कट्टी गार्डन रिवाल एस्टेट डेवलपर्स के साथ अपने बंधक का भुगतान कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जुलाई में चीनी विदेश मंत्री किर गंग के लापता होने के बाद शांगफू के लापता होने की खबर आई थी। लगभग दो महीने पहले, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी रॉकेट फोर्स से दो शीपू जनरलों को हटा दिया था, जो देश की पारंपरिक और परमाणु मिसाइलों की देखरेख करने वाली एक विशिष्ट सेना है। वियतनामी अधिकारियों ने बताया है कि ली ने स्वास्थ्य स्थिति के कारण पिछले सप्ताह अचानक एक बैठक रद्द कर दी।

फांसिसी राजदूत लेनेन ने भारत-फांस संबंध को लेकर कही ये बात

पेरिस । भारत में फांसिसी राजदूत इमेनुएल लेनेन ने भारत में अपने कार्यकाल पर विचार साझा किए। भारत-फांस संबंध, रक्षा सहयोग और भारत की अध्यक्षता में हाल ही में हुए जी20 शिखर सम्मेलन सहित असंख्य विषयों पर लेनेन ने खुलकर बात की। लेनेन दोनों देशों में स्वायत्तता और क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अधिक सहयोगी परियोजनाओं की आशा करते हैं। मेक इन इंडिया पहल पर चर्चा करते हुए, उन्होंने 50 प्रतिशत ऑफसेट दायित्वों को पूरा करते हुए इस पहल को आगे बढ़ाने में फांसिसी कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उल्लेख किया। अब ध्यान भविष्य की प्रौद्योगिकियों को सह-विकसित करने पर है, जिसमें अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान इंजनों को विकसित करने में सहयोगात्मक प्रयास भी शामिल है। हाल के जी20 शिखर सम्मेलन पर विचार करते हुए, लेनेन ने जी20 के राजनीतिक निकाय नहीं होने के बावजूद, भिन्न विचारों वाले देशों के बीच एकता और आम सहमति को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रशंसा की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने के महत्व को दोहराया, यूक्रेन युद्ध से संबंधित संयुक्त विज्ञापि में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में रूस के अलगाव पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने यूक्रेन संघर्ष के जवाब में अहिसक प्रतिबंधों और रूस पर ऊर्जा निर्भरता को कम करने के उपायों के प्रति यूरोपीय संघ की दृढ़ प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

यूएन शांति मिशनों में 177 वीर जवानों ने दिया सर्वोच्च बलिदान : रुचिरा कंबोज

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने न्यूयॉर्क में आयोजित डिस्कर्स ऑन पीस कार्यक्रम में कहा कि शांति हमेशा से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत की आधारशिला रही है। अपने पूरे इतिहास में भारत ने इसे अपनाया है। कंबोज ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत ने हमेशा अहिंसा, सद्भाव और सह-अस्तित्व के आदर्शों को अपनाया है। उन्होंने महात्मा गांधी के प्रभाव पर बल देते हुए उनको अहिंसात्मक प्रतिरोध का चैंपियन बताया। कंबोज ने कहा कि भारत ने अपने पूरे इतिहास में अहिंसा, सद्भाव और सह-अस्तित्व के आदर्शों को अपनाया है। महात्मा गांधी जैसे महान नेताओं की शिक्षाएं, अहिसक प्रतिरोध के चैंपियन और जिनकी प्रतिमा यहां न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के खूबसूरत उत्तरी लॉन में सजी है। उन्होंने शांति पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महात्मा गांधी जैसे महान नेताओं की सीख से आया है। पीएम मोदी का अक्सर उद्धृत किया जाने वाले बयान कि आज के युग की विशेषता युद्ध नहीं होनी चाहिए।



यंगलू में केनगुटंग अमरारो को मिस यूनिवर्स म्यांमार 2023 का खिताब मिला है।

भारत और अमेरिका आज उन्नत सेमीकंडक्टर से लेकर रक्षा सहयोग तक हर क्षेत्र में काम कर रहे : ब्लिंकन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वाशिंगटन (इंफ़ोएस)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटी ब्लिंकन ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी कभी इतनी विविधतापूर्ण नहीं रही क्योंकि दोनों देश उन्नत सेमीकंडक्टर से लेकर रक्षा सहयोग तक हर क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। भारत द्वारा जी20 शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने और राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता के कुछ दिनों बाद ब्लिंकन ने कहा कि भारत और अमेरिका को दोनों नेताओं द्वारा किए गए कई सहयोगों से लाभ होगा। ब्लिंकन ने नए युग में अमेरिकी कृत्नीति की शक्ति और 'उद्देश्य' विषय पर अपनी संबोधन में कहा, अमेरिका-भारत की रणनीतिक साझेदारी कभी इतनी अधिक विविधतापूर्ण नहीं रही है, क्योंकि हम उन्नत सेमीकंडक्टर से लेकर रक्षा सहयोग तक हर चीज पर टीम के रूप में काम कर रहे हैं।

ब्लिंकन ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्राइ साझेदारी को बढ़ाया है, ताकि देशों और दुनिया को टीकों के निर्माण से लेकर समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और जलवायु चुनौतियों से निपटने तक, हर विषय पर काम किया जा सके। नवंबर 2017 में चार देशों ने 'हैंड-प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के वास्ते एक नई रणनीति विकसित करने के लिए "क्राइड" की स्थापना के लंबित प्रस्ताव को आकार दिया।



ब्लिंकन ने कहा, "अभी पिछले हफ्ते ही जी20 में राष्ट्रपति बाइडन और भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने एक और महत्वाकांक्षी परियोजना, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी गलियारे की घोषणा की, जो एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बंदरगाहों को जोड़ेगा। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाने एवं पूरे क्षेत्र में महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका और भारत के साथ मिलकर काम

करने वाले हैं।

नए आर्थिक गलियारों को कई लोग चीन के विवादास्पद बेल्ट एंड रोड 'इनिशिएटिव' (बीआरआई) के विकल्प के रूप में देखते हैं। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिका, भारत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ सहित अन्य देशों के नेताओं ने संयुक्त रूप से इसकी घोषणा की थी।

क्षुद्रग्रह की भीषण तबाही से बच गई पृथ्वी

-पृथ्वी के करीब से 77 हजार किमी प्रति घंटे की गति से निकल गया 180 फीट का एस्टेरॉयड

केप कैनावेरल (एजेंसी)। अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया है कि बुधवार 13 सितंबर को पृथ्वी के पास से करीब 180 फीट का स्पेस रॉक (एस्टेरॉयड) गुजर गया जिसे एस्टेरॉयड 2023 आरएफ2 नाम दिया गया है। यह पहले से ही पृथ्वी की ओर बढ़ रहा था और यह सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा में 77 हजार 303 किमी प्रति घंटे की गति से यात्रा कर रहा है। यह पृथ्वी के लगभग 4.3 मिलियन किलोमीटर की दूरी से गुजर गया।

नासा के अनुसार धरती पर आए दिन स्पेस से एस्टेरॉयड जैसे कोई न कोई खतरों के संकेत आते ही रहते हैं। योजना पृथ्वी के करीब से कई छोटे बड़े एस्टेरॉयड्स गुजरते हैं लेकिन, एस्टेरॉयड्स का छोटा-सा भी हिस्सा अगर धरती पर गिरता है तो तबाही आ सकती है। एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टनों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास

वाले लगभग आधा अरब एस्टेरॉयड सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से गुजरते हैं।

नासा ने बताया कि एस्टेरॉयड का आकार करीब 180 फीट था। यह किसी विमान के बराबर माना जा सकता है जो अगर यह पृथ्वी से टकराता तो बड़ी तबाही मच जाती। अगर इतना बड़ा एस्टेरॉयड किसी घनी बस्ती में गिर जाए तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। इनको अपोलो एस्टेरॉयड का हिस्सा माना जाता है जो उसी आधार पर रखे जाते हैं जिनकी शुरुआत 1930 के दशक में जर्मन खगोलशास्त्री कार्ल रेनुमुथ ने की थी।

उल्लेखनीय है कि नासा समेत अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां विभिन्न टेलीस्कोपों की मदद से एस्टेरॉयड पर निगरानी रखते हुए अलर्ट जारी करती रहती हैं। ये एस्टेरॉयड मुख्य रूप से बृहस्पति और मंगल ग्रह की कक्षा के बीच स्थित एस्टेरॉयड बेल्ट में पाए जाते हैं। एस्टेरॉयड तीन (सी, एस और एम) प्रकार के होते हैं, जिनका निर्माण मुख्य रूप से निकल और लोहे जैसी धातु से होता है। इसमें सी-प्रकार के एस्टेरॉयड कार्बन एस-प्रकार के एस्टेरॉयड सिलिकेट और एम-प्रकार के एस्टेरॉयड धातु के बने होते हैं।

यूक्रेन का दावा उसकी सेना ने रूस के एस-400 डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया

क्रीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब डेढ़ साल से जारी भीषण युद्ध में नया मोड़ आ गया है। दरअसल यूक्रेन ने दावा किया है कि उसकी सेना ने एस-400 डिफेंस सिस्टम को क्रीमिया में तबाह कर दिया है। यूक्रेन ने कहा कि येवपतोरिया के पास इस रूसी डिफेंस सिस्टम को तबाह किया। यूक्रेन ने कहा कि ज़ोन और मिसाइलों के सही तालमेल से गुरुवार सुबह ही मिसाइलों को नष्ट कर दिया। यूक्रेन ने बताया कि ऐसा पहली बार है जब रूस के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करने के लिए ज़ोन का इस्तेमाल हुआ है। यूक्रेन का यह दावा अगर सही है कि तब यह रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए दोहरा झटका है। सूत्रों के मुताबिक यूक्रेन ने ज़ोन की मदद से रूसी सिस्टम को उलझाकर मिसाइल से नष्ट कर

दिया। उन्होंने बताया कि यूक्रेन की नौसेना ने सतह से सतह तक मार करने वाली दो नेपचून मिसाइलें दागी थीं। यूक्रेन की यह मिसाइल जैसे पेंटी शिप है लेकिन उसमें बदलाव करके अब जमीनी हमले भी यूक्रेन की सेना कर रही है। वीडियो में येवपतोरिया के पास जोरदार धमाका सुनाई दिया है। यूक्रेनी मीडिया ने बताया कि रूस ने भी येवपतोरिया के लोगों को घटना के बारे में नहीं रूसी सिस्टम को नष्ट कर दिया। यूक्रेन ने बताया कि ऐसा पहली बार है जब रूस के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करने के लिए ज़ोन का इस्तेमाल हुआ है। यूक्रेन का यह दावा अगर सही है कि तब यह रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए दोहरा झटका है। रिपोर्ट के मुताबिक एस 400 के नष्ट हो जाने की वजह से अब क्रीमिया पर ज़ोन और मिसाइलों से हमला करना यूक्रेन के लिए बहुत आसान हो गया

है। इस हमले से एक दिन पहले ही यूक्रेन ने रूस को बड़ा नुकसान पहुंचाया था। यूक्रेन ने क़ज़ मिसाइलों और ज़ोन विमानों की मदद से रूसी नौसेना की एक किलो क्लास की सबमरीन और एक जहाज को भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने यह हमला सेवस्तोपोल में किया गया। यही नहीं यूक्रेन ने ब्लैक सी में एक और रूसी युद्धपोत पर जोरदार हमला किया। हालांकि उस कितना नुकसान पहुंचा इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसने यूक्रेन के एक ज़ोन बोट को तबाह कर दिया है। रूस का एस 400 सिस्टम अगर तबाह होता है, तब यह पुतिन के लिए न केवल सुरक्षा के लिहाज से बल्कि पैसे के लूटने से बड़ा झटका है। रूस ने चीन, भारत और तुर्की को यह सिस्टम बेचा है।

अमरीका ने पाकिस्तान का परमाणु अस्त्र भंडार 200 तक बढ़ने की आशंका जताई



वाशिंगटन । अमेरिका के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पास तकरीबन 170 परमाणु हथियारों का भंडार है जो मौजूदा वृद्धि दर के हिसाब से 2025 तक करीब 200 तक बढ़ सकता है। 11 सितंबर को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है, कि पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियारों का भंडार है। अमेरिका की रक्षा खुफिया एजेंसी ने 1999 में अनुमान जताया था कि पाकिस्तान के पास 2020 तक 60 से 80 परमाणु हथियार होंगे लेकिन तब से कई नयी हथियार प्रणालियां तैनात और विकसित की गयी हैं जिससे आकलन बढ़ गया है। वैज्ञानिकों ने कहा, कि हमारा आकलन काफी अनिश्चितता भरा है क्योंकि न तो पाकिस्तान और न ही अन्य देश पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार के बारे में ज्यादा सूचना प्रकाशित करते हैं। लेकिन जब तक भारत अपने शस्त्रागार का विस्तार नहीं करता या पारंपरिक ताकतों का निर्माण नहीं करता, तब तक यह उम्मीद करना उचित लगता है कि पाकिस्तान का परमाणु शस्त्रागार अनिश्चितकाल तक बढ़ता नहीं रहेगा बल्कि उसके मौजूदा हथियार कार्यक्रम पूरे होने के बाद यह कम होना शुरु हो सकता है।

पुतिन से मिलने पहुंचा किम जोंग, अफसर ने उसकी कुर्सी की अच्छी तरह से जांच की

-पुतिन और किम यूक्रेन के खिलाफ रूस की होली वार के लिए समर्थन दिखाने एक साथ बैठे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मास्को (इंफ़ोएस)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ दोस्ती के बावजूद अपने सुरक्षा को लेकर काफी चौकत्रे हैं। पुतिन के साथ बातचीत के लिए रूसी धरती पर जाते समय उन्होंने काफी सावधानी बरती। दोनों नेताओं की बातचीत से पहले किम के अधिकारियों ने बैटने से पहले उनकी कुर्सी की अच्छी तरह से जांच की। कथित तौर पर रेडिशन और किसी प्रकार का खतरा न हो इसके लिए उनकी स्कैनिंग भी करते हुए दिखाई दिए। दोनों नेताओं की मीटिंग से पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें एक कोरियाई अधिकारी सवोच्च नेता को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए प्रोटोकॉल के तहत किम की कुर्सी को पोखते हुए दिख रहा है। अन्य अधिकारी

उस व्यक्ति के आसपास दिखाई दे रहे हैं ताकि जरूरत पड़ने पर मदद कर सकें। वीडियो में एक शख्स को मेटल डिटेक्टर से कुर्सी को स्कैन करते देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कुर्सी की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह किम का वजन उठा पाएगी, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि नेता का वजन 140 किलोग्राम से अधिक है। जांच पूरी होने के तुरंत बाद पुतिन और किम पश्चिम के खिलाफ एक मजबूत चेहरा पेश करने और यूक्रेन के खिलाफ रूस की होली वार के लिए समर्थन दिखाने के लिए एक साथ बैठे। ऐसा माना जाता है कि उत्तर कोरिया के तानाशाह नेता ने रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र की यात्रा के लिए विमान से जाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने 2019 के बाद से अपनी पहली विदेश यात्रा पर जाने के लिए एक शानदार ट्रेन को चुना। यूके मीडिया ने दावा किया कि किम जोंग को रूस की आसमान में यात्रा करने से डर लग रहा था क्योंकि कुछ दिन पहले एक पर्यटक विमान उसी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

नासा को मिले दूसरे धरती और समुद्र, जीवन भी संभव

-यह खोज जेम्स वेब टेलीस्कोप की तरफ से की गई

प्लोरिडा (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिकों को दूसरी धरती और विशाल समुद्र मिला है, जहां मानव जीवन भी संभव है। नासा के वैज्ञानिकों ने कई प्रकाश वर्ष दूर एक विशाल एक्सोप्लैनेट पर एक महासागर के होने का ऐलान किया है। वैज्ञानिकों की मानें तो इसके साथ ही इस ग्रह पर संभावित जीवन की तरफ रूझार करने वाला एक रसायन भी मिला है। यह खोज नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप की तरफ से की गई है। नासा की मानें तो जो एक्सोप्लैनेट मिला है वह पृथ्वी से 8.6 गुना बड़ा है। साथ ही एजेंसी को के2-18 भी ग्रह के वातावरण की नई जांच में मीथेन और कार्बन डइऑक्साइड समेत कार्बन के प्रभाव वाले अणुओं की उपस्थिति का भी

पता चला है। जेम्स वेब की खोज हाल के अध्ययनों से जुड़ती है जो बताती है कि के2-18 बी एक हल्कीन एक्सोप्लैनेट हो सकता है, जिसमें हाइड्रोजन समृद्ध वातावरण और महासागर से ढंके होने की संभावना है।

नासा ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि इस रहने योग्य क्षेत्र वाले एक्सोप्लैनेट के वायुमंडलीय गुणों के बारे में पहली जानकारी नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से मिली है। इस नई तलाश ने आगे की रिसर्च के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। नासा की मानें तो इस खोज ने सिस्टम के बारे में उनकी समझ को ही बदलकर रख दिया है। के2-18 बी रहने योग्य क्षेत्र में टंडेएकदम छोटे बौने से तारे के2-18 की परिक्रमा करता है। यह पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर है। के2-18 बी जैसे एक्सोप्लैनेट, जिनका आकार पृथ्वी और नेपचून के बीच है, सौर मंडल की किसी भी चीज से काफी अलग हैं। नासा की मानें तो निकटवर्ती ग्रहों की कमी की वजह

से इन उप-नेपचून को अक्सर कम करके आंका जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री और इन नतीजों के बारे में बताने वाले लीड ऑथर निच्कु मधुपूजन ने बताया, परंपरागत रूप से, एक्सोप्लैनेट पर जीवन की खोज मुख्य रूप से छोटे चट्टानी ग्रहों को ध्यान में रखते रहते हैं। लेकिन बड़े हाइड्रोजन दुनिया वायुमंडलीय धारणा के लिए काफी अनुकूल हैं। मीथेन और कार्बन डइऑक्साइड का होना और अमोनिया की कमी इसी परिकल्पना का समर्थन करती है कि के2-18 बी में हाइड्रोजन लैस वातावरण के नीचे एक महासागर हो सकता है।इसके अलावा उनके वायुमंडल की प्रकृति खगोलविदों के बीच सक्रिय बहस का विषय है। नासा की मानें तो के2-18 बी एक हाइड्रोजन एक्सोप्लैनेट हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कुछ खगोलविद मानते हैं कि यह घटनाक्रम एक्सोप्लैनेट पर जीवन की तलाश की दिशा में नई उम्मीद देती है।

लीबिया में सबसे बड़ी तबाही, बाढ़ में 20 हजार लोगों की मौत

-लीबिया के डेरना शहर का लगभग आधा हिस्सा पूरी तरह तबाह, नहीं मिल रहे लोगों के शव

त्रिपोली (एजेंसी)। लीबिया में आई भीषण समुद्री बाढ़ से 20 हजार से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। इस बीच अथॉरिटीज ने कहा है कि इन घटनाओं की जांच की जाए। लीबिया के आधुनिक इतिहास की यह सबसे बड़ी तबाही है, जिसमें मारे गए लोगों की लाशें तक बरामद नहीं हो पा रही हैं। बचाव अभियान में शामिल लोगों का कहना है

कि समुद्र में आई बाढ़ शहर में घुस आई थी और उसके पानी के साथ ही बहुत से लोग बह गए। माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर की मौत हो गई है, लेकिन शवों की तलाश करना मुश्किल हो रहा है। लीबिया के डेरना शहर का लगभग आधा हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है। डेरना शहर के मेयर अब्दुलमनमाम अल-बाइटी का कहना है कि शहर में मरने वालों का आंकड़ा 18 से 20 हजार तक पहुंच गया है। यही नहीं उन्होंने कहा कि अब बड़ा डर इस बात का है कि महाभारी फैल सकती है। पानी में शव सड़ रहे हैं और सड़कों पर पानी के साथ गंदगी बह रही है। इसके चलते बीमारियों का खतरा पैदा

हो गया है। इस बीच विश्व मौसम संगठन का कहना है कि लीबिया में इतनी ज्यादा मौतों को टाला जा सकता था। संगठन ने कहा कि लीबिया बीते एक दशक से गृह युद्ध की मार झेल रहा है और देश में दो अलग-अलग सरकारों का शासन चल रहा है। हालात यह है कि लीबिया में मौसम विभाग ही सक्रिय नहीं है। यदि देश में मौसम विभाग एक्टिव होता तो उसकी ओर से कुछ भविष्यवाणी की जाती और फिर लोगों को बचाया जा सकता था। वैश्विक संस्था ने कहा कि यदि समय रहते बाढ़ का अनुमान जाहिर हो जाता तो लोगों को पहले ही कहीं शिफ्ट कर लिया जाता।

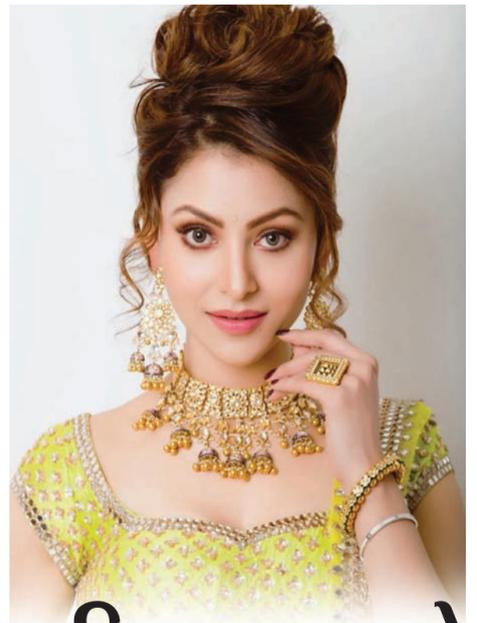


यूक्रेन ने तबाह किया रूस का S 400 मिसाइल



अभिनेत्री सोनम कपूर ने बताया अपने जीवन का सबसे खूबसूरत पल

अभिनेत्री सोनम कपूर ने बताया, जब उन्होंने अपने बच्चे को जन्म दिया था और वह उनकी गोद में वहां पल मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल था। अपने जीवन के सबसे जादुई पल के बारे में बात करते हुए सोनम ने कहा कि जब मैंने अपने बच्चे को जन्म दिया और वह मेरी गोद में आया, तब यह मेरे लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक था। मुझे पहली बार एक अलग खुशी और सुकून महसूस हुआ। मेरी नॉर्मल डिलीवरी हुई थी और यह सबसे अद्भुत मोमेंट्स था। मेरे पति मेरे बगल में थे और जिस डॉक्टर ने मुझे बच्चे को जन्म देने में मदद की, वह मेरी मां की करीबी दोस्त थी। मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, मेरी बहन, मेरे ससुराल वाले मुझे प्यार करने वाले लोग थे। यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा पल था। जब आप एक बच्चे को जन्म देते हैं तो यह वास्तव में जीवन बदल देता है। अपनी गर्भावस्था के दौरान अपने आहार के बारे में साझा करते हुए, अभिनेत्री ने कहा कि लंदन में मेरे डॉक्टर ने मुझे हेल्दी डाइट खाने को कहा जो मूल रूप से भारतीय खाना है। इसलिए मैंने दाल, रोटी और भाजी खाईं। अगर आप मांसाहारी हैं, तब आप चिकन, मछली और दही खा सकते हैं। इसलिए मैंने संतुलित आहार लिया, पैदल चली और थोड़ा व्यायाम किया। इससे मुझे सचमुच मदद मिली। मेरी प्रेग्नेंसी बहुत अच्छी रही क्योंकि मैंने इस आसान और सरल बनाए रखा।



एल्विश यादव ने शानदार काम किया उर्वशी रौतेला

मोनालिसा ने चढाया इंटरनेट का पारा

मशहूर भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। इन लेटेस्ट तस्वीरों में मोनालिसा ने व्हाइट शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई हैं। उन्होंने अपने इस आउटफिट के साथ बालों को खुला रखा है और मेकअप भी मिनिमम ही किया है। एक्ट्रेस ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा- एक छोटी सी सफेद ड्रेस। मोनालिसा का ये लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उनके फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर देरों तारीफों भरे कमेंट किए हैं। एक शाख्स ने लिखा- मोनालिसा दीदी, बहुत प्यारी लग रही हैं। बता दें कि मोनालिसा अब तक 125 भोजपुरी फिल्मों में चुकी हैं और इसके साथ ही हिन्दी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। ये 2016 में बिग बॉस सीजन 10 की प्रतिभाभी भी रह चुकी हैं।



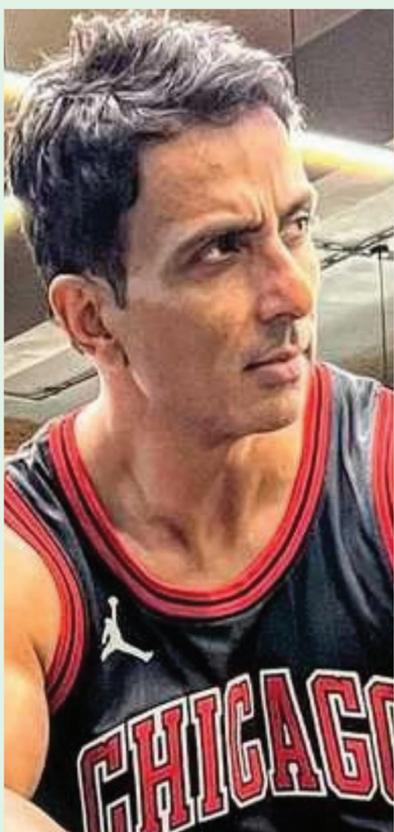
सोनू सूद के जिम लुक में कम्फर्ट और स्टाइल का शानदार संतुलन

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने कोरोना काल में लोगों की मदद करके फैंस के दिलों में खास जगह बनाई है। कोरोना काल से शुरू हुआ सोनू सूद की मदद करने का? सिलसिला अभी भी जारी है। लेकिन इतने बिजो शोड्यूल होने के बाद भी सोनू जिम में वर्कआउट के लिए समय निकाल ही लेते हैं।

50 साल की उम्र में भी सोनू सूद बेहद फिट है। वह अक्सर अपनी बॉडी प्लान्ट करते हुए तस्वीरें भी शेयर करते हैं। सोनू सूद अपने अभिनय कौशल और मानवीय प्रयासों के साथ साथ जिम लुक से भी अपनी स्टाइलिश अटायर से दिल जीता है।

सोनू सूद का वर्कआउट वॉर्डरोब कम्फर्ट और स्टाइल दोनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सोनू सूद के वर्कआउट वॉर्डरोब के चयन में कम्फर्ट को लगातार प्राथमिकता दी गई है। सोनू के जिम फैशन लुक में एक्ससेसरीज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक्टर फिलहाल फिल्म 'फतेह' के अंतिम चरण में हैं, जो हॉलीवुड स्टंटमैन द्वारा हाई-ऑक्टेन स्टंट पेश करने वाली एक हाई-ऑक्टेन प्रोजेक्ट है। जहा जी स्टूडियोज और शक्ति सागर प्रोडक्शंस ने साथ मिलकर फिल्म का निर्माण किया है।



छुट्टियों का मजा ले रहे हैं वरुण धवन

आजकल बालीवुड अभिनेता वरुण धवन छुट्टियों का मजा ले रहे हैं। वरुण ने समुद्र तट पर घूप का आनंद लेते हुए अपनी फोटो पोस्ट की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी आकर्षक तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में वरुण ने नीले रंग की शॉर्ट्स पहनी हुई है और समुद्र तट पर बैठकर घूप का आनंद ले रहे हैं। इसमें वह अपने एक्स दिखाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में शैमी और रेवॉन का इन द समरटाइम का संगीत दिया। वरुण ने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'कैप्शन दे दो। सबसे अच्छा इसे बनाता है?' इसे जैकलीन फर्नांडीज ने पसंद किया है प्रशंसकों ने टिप्पणी करते हुए लिखा, यह कितना हॉट सोमवार है। दूसरे प्रशंसक ने लिखा, 'सैंडमैन' कैप्शन में लिखा, हर मासूम चेहरे का एक जंगली पक्ष होता है। जुलाई में सिने 1 स्टूडियोज और ए फॉर एप्पल स्टूडियोज ने वरुण की मुख्य भूमिका वाली सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्म के लिए हाथ मिलाया था। मुराद खेतानी और प्रिया एटली द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन और कहानी कलीस ने लिखी है।

अपनी कला और अपने कार्यों के माध्यम से बदलाव लाना चाहता हूं: आयुष्मान

हाल ही में एक्टर आयुष्मान खुराना को टाइम मैगजीन द्वारा प्रतिष्ठित टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड के लिए चुना गया है। आयुष्मान इस साल टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड के लिए चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। तीन साल में यह दूसरी बार है कि टाइम आयुष्मान को सम्मानित कर रहा है। साथ ही कहा कि मैं अपनी कला और अपने कार्यों के माध्यम से बदलाव लाना चाहता हूँ जिससे लोग भी हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए इस देश को बेहतर बनाने में मेरे साथ शामिल हो सकें। आयुष्मान ने कहा, यह दूसरी बार है कि प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने कैमरे के साथ-साथ कैमरे के बाहर भी मेरे काम को मान्यता देने के लिए चुना है। मैं टाइम मैगजीन के इस सम्मान से गौरवान्वित होने के साथ-साथ अभिभूत भी हूँ क्योंकि यह एक कलाकार और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने की कोशिश करने वाले एक इंसान के रूप में मेरे मूल विश्वास प्रणाली को मान्य करता है। इसके साथ ही इस अभिनेता ने कहा, इस साल मुझे



टाइम 100 इम्पैक्ट सम्मान देने के लिए मैं टाइम मैगजीन का बहुत आभारी हूँ। मैं हमेशा अपने सिनेमा ब्रॉड के माध्यम से भारत के कंटेंट को आगे बढ़ाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा, मैं अपने देश में अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए यूनिसेफ के राजदूत के रूप में कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा। इस अभिनेता अपनी एक्टिंग और नेक कामों से अपने को साबित किया है। आयुष्मान ने सिर्फ फिल्मों बल्कि नेक कामों के लिए कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

मनोरंजन से भरपूर रहेगी फुकरे 3

आगामी 28 सितंबर 2023 को बालीवुड फिल्म फुकरे 3 रिलीज होने वाली है। फुकरे फेंचाइजी की तीसरी किस्त का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लंबे इंतजार के बाद जारी कर दिया गया है। मेकर्स ने प्रशंसकों को इस फिल्म का प्रभावशाली ट्रेलर दिखाया, जिसमें फुकरा गैंग, भोली पंजाबन, पंडित जी और पूरी फिल्म टीम शामिल थी। फुकरे 3 के ट्रेलर रिलीज ने इस फेवरेट कॉमेडी फेंचाइजी की यादें ताजा कर दीं। फुकरा गैंग, हसी, चूचा, लाली, भोली पंजाबन और पंडित जी को फिर से स्क्रीन पर देखना वास्तव में शानदार है। फिल्म का ट्रेलर हसी और मजेदार पलों से भरा है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि फिल्म सुपर एंटरटेनिंग होने वाली है। फुकरे 3 अपनी पिछली किस्तों से आगे निकलने का वादा करती है, और भी ज्यादा मजा और एंटरटेनमेंट भी देगी।

इसके अलावा, इस फिल्म में सरप्राइज गिफ्ट हमें जोर जोर से हंसने पर मजबूर कर देगा, जिससे उत्साह और बढ़ जाता है। ये ट्रेलर बेहद आशाजनक लगता है और इस फेवरेट कॉमेडी फेंचाइजी की विरासत को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाता है। इस फिल्म को कॉमेडी शैली में एक प्रमुख चलन में तब्दील होते देखना वाकई दिलचस्प है। कह सकते हैं सीकल्स के इस दौर में अब फुकरे 3 के धूम मचाने का भी सही समय आ चुका है।



बालीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने कहा कि बॉलीवुड को उनके जैसे और हीरो की जरूरत है। उर्वशी ने कहा, एल्विश यादव ने हम तो दीवाने में वास्तव में शानदार काम किया है, जिससे हर कोई हैरान रह गया। मुझे लगता है कि बॉलीवुड को एल्विश जैसे हीरो की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, पूरी शूटिंग के दौरान, मेरा ध्यान केवल उन्हीं पर था, क्योंकि मेरा मानना है कि जब हीरो बेस्ट परफॉर्म करता है, तो ऑनस्क्रीन जोड़ी के रूप में हम बेस्ट दिखते हैं। दर्शक हमें अपना प्यार और आशीर्वाद प्रदान करें। गाना का एक पोस्टर सामने आया है, जिसमें उनका अलग लुक नजर आ रहा है। उर्वशी वाइब्रेंट रेड अनारकली सूट में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। वहीं, चैकड शर्ट, ब्लैक पैंट और लेदर जैकेट में एल्विश यादव कूल और कॉन्फिडेंट वाइब्स दे रहे हैं। यह गाना 14 सितंबर को प्ले डीएम ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाला है।

पलक तिवारी का वीडियो देख लोगों ने किया ट्रोल

मॉडल एवं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसके बाद वे ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं। पलक तिवारी बीते दिन एक इवेंट में पहुंची थी। इस दौरान वे ब्लैक ड्रेस में काफी ग्राजियस लगी रहीं थीं। लेकिन अपनी एक हरकत की वजह से पलक ट्रोलिंग का शिकार हो गई हैं और वे था उनका रवैया। दरअसल, पलक इस इवेंट में ईशान खट्टर को नजरअंदाज करती हुई दिखाई दी हैं। सामने आई वीडियो में पलक को साइड में खड़ा हुई देखा जा सकता है इस बीच वहां ईशान आ जाते हैं लेकिन पलक उन्हें देखती तक नहीं है। अब ईशान को एटीट्यूड दिखाने के चक्कर में पलक को ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा- ये कितना एटीट्यूड दिखा रही है। दूसरे यूजर ने लिखा- यह रवैया ठीक नहीं है। एक और यूजर ने लिखा- पलक दिखावा करने वाली लगती है, बिना किसी मेहनत के स्टार रवैया अपनाती है। एक और यूजर ने कहा कि- इतना एटीट्यूड और जीरो मेनस...उन्होंने ईशान को हैलो तक नहीं कहा।

